मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 87
सोमवार, 07 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मोदीनॉमिक्स भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अभिशापः मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वही पुरानी बातें दोहराने वाले उनके बासी भाषण' देश की अर्थव्यवस्था के हर पहलू को प्रभावित करने वाली उनकी पूर्ण विफलताओं' को नहीं छिपा सकते।

खड़गे ने एक्स' पर कहा, मोदीनॉमिक्स भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अभिशाप हैह्व। उन्होंने घरेलू ऋणग्रस्तता, मूल्य वृद्धि एवं विनिर्माण क्षेत्र की समस्याओं जैसे मुद्दे उठाए और दावा किया कि मेक इन इंडिया बुरी तरह विफल हो गया है। उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी जी, आपके वही पुराने व्याख्यान, जो बार-बार दोहराए जाते हैं, भारत की अर्थव्यवस्था के हर पहलू को प्रभावित करने वाली आपकी स्पष्ट विफलताओं को नहीं छिपा सकते! खड़गे ने कहा कि वास्तविक रूप से घरेलू देनदारियों/ऋणग्रस्तता में 2013-14 से 2022-23 तक 241 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में घरेलू ऋण 40 प्रतिशत के सर्वकालिक उच्च स्तर पर है।उन्होंने कहा कि बताया कि घरेलू बचत 50 साल के निचले स्तर पर है और

कोविड-19 महामारी के बाद से भारतीय परिवारों की खपत उनकी आय से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा, सितंबर 2024 में घर की शाकाहारी थाली की कीमत पिछले साल के मुकाबले 11 प्रतिशत बढ़ गई है। इस अव्यवस्था के लिए भाजपा द्वारा थोपी गई महंगाई और असंगठित क्षेत्र की बबार्दी जिम्मेदार है! खरगे ने कहा, 10 वर्षों में मेक इन इंडिया' बुरी तरह विफल हो गया है, क्योंकि कांग्रेस-संप्रग के दौरान भारत के बढ़ते निर्यात के लाभ को आपकी नीतियों ने खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा, भारत की निर्यात वृद्धि' - कांग्रेस-संप्रगः 2004 से 2009 -186.59 प्रतिशत, 2009 से 2014 -94.39 प्रतिशत; भाजपा-राजगः 2014-2019 - 21.14 प्रतिशत, 2019-2023 - 56.8 प्रतिशत। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि 2014-15 और 2023-24 के बीच विनिर्माण क्षेत्र की औसत वृद्धि दर सिर्फ 3.1 प्रतिशत (भाजपा-राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) है। जबकि 2004-05 और 2013-14 के बीच औसत वृद्धि दर 7.85 प्रतिशत (कांग्रेस-संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) थी। खड़गे ने कहा कि इस विनाशकारी नीति ने विनिर्माण क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों की हिस्सेदारी को 15.85 प्रतिशत (2017-18) से घटाकर 11.4 प्रतिशत (2023-24) कर दिया है।

गोवा में सांप्रदायिक तनाव भड़का रही है बीजेपी: राहुल गांधी

गोवा, 06 अक्टूबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी पर जानबूझकर गोवा में सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रयासों को चुनौती दी जाएगी क्योंकि गोवा और पूरे भारत के लोग इस विभाजनकारी एजेंडे को समझते हैं और एकजुट हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'गोवा का आकर्षण इसकी प्राकृतिक सुंदरता और इसके विविध और सामंजस्यपूर्ण लोगों की गर्मजोशी और आतिथ्य में निहित है।' उन्होंने आगे कहा कि दुर्भाग्य से, भाजपा शासन में इस सद्भाव पर हमला हो रहा है। भाजपा जानबूझकर सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा दे रही है, जिसमें आरएसएस के एक पूर्व नेता ईसाइयों और संघ से जुड़े संगठनों को भड़काकर

मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार का आह्वान कर रहे हैं।

गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे भारत में, संघ परिवार द्वारा इसी तरह की कार्रवाइयाँ बिना किसी रोक-टोक के जारी हैं, जिन्हें उच्चतम स्तरों से समर्थन मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'गोवा में, भाजपा की रणनीति स्पष्ट है, अवैध रूप से हरी भूमि को परिवर्तित करके और पर्यावरण नियमों को दरकिनार करके पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों का दोहन करते हुए लोगों को विभाजित करना - गोवा की प्राकृतिक और सामाजिक विरासत पर हमला।'अंत में उन्होंने लिखा, 'ऐसा नहीं है कि भाजपा की कोशिशों को चुनौती नहीं दी जाएगी। गोवा और पूरे भारत के लोग इस विभाजनकारी एजेंडे को देख रहे हैं तथा एकजुट खड़े हैं।

पश्चिम बंगाल में 10 साल की बच्ची बनी हैवानियत का शिकार, हाईकोर्ट ने दिया फिर से पोस्टमार्टम करने का आदेश

कोलकता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना में एक 10 साल की बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, बच्ची शुक्रवार को अपनी ट्यूशन कक्षाओं के बाद जयनगर स्थित अपने घर लौट रही थी, जब उसके साथ घटना हुई। इस मामले के सामने आने के बाद से जिले का माहौल गरमाया हुआ है। स्थानीय लोगों की भीड़ पुलिस चौकी में आग लगा दी और पुलिसकर्मियों पर पथराव किया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने चौकी के बाहर खड़े कई वाहनों में तोड़फोड़ भी की और पुलिसकर्मियों को परिसर छोड़ने पर मजबूर कर दिया। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को भेजा गया और एसडीपीओ एवं अन्य वरिष्ठ पुलिसकर्मियों को मौके पर ही रोकने की कोशिश कर रही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे गए।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने रविवार को स्कूली छात्रा का फिर से पोस्टमार्टम करवाने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने बच्ची के माता-पिता की याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्देश दिया कि दूसरा पोस्टमार्टम सोमवार को कल्याणी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अस्पताल में, बरुईपुर अदालत के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) की उपस्थिति में किया जाए।

अदालत ने कहा कि अगर एम्स (कल्याणी) में पोस्टमार्टम करने के लिए आवश्यक सुविधाओं की कमी है, तो इसे वहीं स्थित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल अस्पताल में किया जाना चाहिए।

नवरात्रि में चोरों ने मां दुर्गा को भी नहीं बख्शा, मुकुट सहित दान पात्र भी उखाड़ ले गए चोर

- **कपाट खुलते ही पुजारी के उड़े होश, कहा 25 लाख की चेरी**
- **रपट दर्ज कर चोरों की खोजबीन में जुटी पुलिस**

सुरेश गांधी

वाराणसी। एक तरफ पूरा शहर नवरात्र पूजा में लीन है, वहीं चोरों ने मां दुर्गा मंदिर में ही हाथ साफ कर दिया। हौसलाबुलंद चोरों ने मंदिर में विराजमान मां दुर्गा की मुकूट सहित दानपात्र भी उखाड़ लग गए। घटना वाराणसी के चोलापुर थाना क्षेत्र के भैठौली गांव का है। इस प्राचीन दुर्गा मंदिर से चोरों ने नगदी समेत 25 लाख से भी अधिक के सामान उठा ले गए। सुबह जब पुजारी मंदिर की साफ-सफाई और पूजा करने पहुंचे तब अंदर का नजारा देख हक्का-भक्का रह गए। देखते ही देखते यह खबर पूरे क्षेत्र में जंगल में लगी आग की तरह फैल गई।

पुजारी के मुताबिक माता दुर्गा में नवरात्र के दिनों में दूर-दूर से हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। इस नवरात्र में मंदिर से चोरों ने सोने का एक मुकुट, सोने का हार, चांदी के तीन मुकुट, चांदी का एक छत्र, सोने की एक नथिया सहित पांच दानपात्र, जिसमें करीब दो लाख रुपये थे उठा ले गए। पुजारी का कहना है कि चोरी गए सामानों की कीमत लगभग 25 लाख रुपये से अधिक है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ईश्वर दयाल दुबे और गोसाईपुर चौकी प्रभारी विकास कुमार मौर्य भी घटनास्थल पर पहुंच गए। इसके बाद मौके पर डॉग स्क्वायड सहिल फॉरेंसिक

टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसीपी सारनाथ डॉ. अतुल रंजन त्रिपाठी ने टीम के सा घटनास्थल का जायजा लिया। चोरी की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे भाजपा विधायक त्रिभुवन राम ने पुलिस को चोरी की घटना का जल्द से जल्द खुलासा करने को कहा। स्थानीय लोगों में पुलिस की शिथिलता को लेकर आक्रोश दिखा। लोगों ने भी सड़क जाम करने की भी कोशिश की, लेकिन उन्हें रोक दिया गया। काशी से 15 किमी दूर चोलापुर के मुहाएं-बाबतपुर मार्ग पर स्थित भैठौली एक ऐसा गांव है जहां मां दुर्गा का भव्य मंदिर न सिर्फ लोगों के आस्था का केन्द्र है, बल्कि वैवाहिक दाम्पत्य को मिलता है सफलता का आशीर्वाद। मंदिर का प्रमुखता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि प्राचीन दुर्गा मंदिर के नाम से विख्यात इस मंदिर में वैवाहिक लग्न के शुभ मुहूर्त में हर रोज दर्जनों शादियां होती है। खास यह है कि इस मंदिर में वर-कन्या के सात फेरे लेने के बाद मंदिर के पुजारी उन्हें दाम्पत्य सूत्र में बंधने का सर्टिफिकेट भी प्रदान करते है।

मंदिर में दर्शन के लिए आसपास के ग्रामीणों सहित पड़ोसी जनपदों से भी हजारों लोग दर्शन-पूजन के लिए आते है। नवरात्र के दिनों में तो यहां लाखों श्रद्धालु मां के दरबार में मत्था टेकते है और साथ ले जाते है मन्नतों की झोली। जी हां चमत्कार की ढेरों कहानियां अपने अंदर समेटे प्राचीन दुर्गा माता मंदिर अपने आप में अनूठा है। मंदिर के पुजारी मनोज मिश्रा कहते है यहां मां को किसी ने स्थापित नहीं किया है, बल्कि स्वयं प्रकट हुई है।

उनके मुताबिक गांव के ही स्वर्गीय राजनाथ सिंह को मां ने साक्षात दर्शन दिया है और उन्हीं की प्रेरणा से आज भव्य मंदिर लाखों श्रद्धालुओं के आस्था का क्रेन्द बन गया है। कहते है मां के इस मंदिर में जिस किसी ने भी विधि-विधान से दर्शन पूजन कर ली, उसकी पूरी हो जाती है सभी मुरादें। ग्रामीण मां को अपनी कुलदेवी के तौर पर भी पूजते हैं। मंदिर विकास समिति के संजयपुरी ने बताया कि चोरी की इस घटना से श्रद्धालु हतप्रभ है।

प्रियंका गांधी ने आईएमपीसीएल के निजीकरण योजना को लेकर सरकार की आलोचना की

नयी दिल्ली, 06 अक्टूबर। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने इंडियन मेडिसिंस फार्मास्यूटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल) के निजीकरण की कथित योजनाओं को लेकर रविवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि इसका मकसद चुनिंदा मित्रों की तिजोरियां भरने के अलावा और क्या हो सकता है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा की ये टिप्पणी इन खबरों के बीच

आयी है कि सरकार की दवा कंपनी के विनिवेश योजना है जिससे कई स्थानीय निवासियों के बीच चिंता पैदा हो गयी है जिनकी आजीविका इससे प्रभावित हो सकती है।

प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुनाफे में चल रही मिनी रत्न दवा कंपनी को बेचने के पीछे सरकार की मंशा क्या है? उन्होंने पोस्ट में लिखा, अल्मोड़ा, उत्तराखंड के मोहान में स्थित इंडियन मेडिसिंस फार्मास्यूटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल) को 1978 में केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर स्थापित किया था।

तीन बार नगरसेवक रहे रफीक शेख ने कालीना विधानसभा से मांगा टिकट

मुंबई। कांग्रेस से तीन बार नगरसेवक रहे मोहम्मद रफीक शेख ने कांग्रेस हाई कमान से पत्र लिखकर मांग की है कि कालीना विधानसभा में सबसे सीनियर होने के नाते इस बार उन्हें टिकट दिया जाए। पार्टी को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि 1985 से वह लगातार कांग्रेस के सिपाही के रूप में काम कर रहे हैं। स्वर्गीय सुनील दत्त तथा प्रिया दत्त के हर चुनाव में उन्होंने पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम किया। विगत लोकसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी वर्षा गायकवाड़ को जिताने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत की। परिणाम स्वरुप कालीना विधानसभा से

वर्षा गायकवाड़ को भारी अंतराल से लीड मिली। उन्होंने कहा कि 2014 में भी उन्होंने कालीना विधानसभा से टिकट मांगा था, लेकिन पार्टी ने अगली बार टिकट देने का आश्वासन देकर उन्हें बैठा दिया था । 2019 मे भी उन्होंने विधानसभा की मजबूत दावेदारी पेश की । उस समय भी पार्टी हाई कमान ने 2024 में टिकट देने का आश्वासन देकर दूसरे को टिकट दिया , नतीजा कांग्रेस यहां से चुनाव हार गई । उन्होंने कहा कि कालीना विधानसभा मुस्लिम उत्तर भारतीय हिंदू बाहुल्य सीट है। वे इस विधानसभा में सबसे सीनियर होने के साथ-साथ मुस्लिम ओबीसी जमात से आते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी तथा पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र भेज कर बता दिया है कि यह सीट कांग्रेस की गढ़ रही है। यहां किसी भी कीमत पर कांग्रेस को ही टिकट मिलना चाहिए। अगर महागठबंधन में यह सीट किसी अन्य पार्टी को गई तो कांग्रेस को भारी नुकसान हो सकता है। कालीना ,बांद्रा तथा खार से नगरसेवक का चुनाव लड़ चुके रफीक शेख की कालीना विधानसभा में मजबूत पकड़ मानी जाती है। यही कारण है कि स्थानीय जनता भी चाहती है कि रफीक शेख को ही टिकट मिले।

डोंबिवली के विधायक व लोक निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण द्वारा आयोजित महाराष्ट्र का सबसे बड़ा नवरात्रि महोत्सव 'नमो रमो नवरात्री'

मुंबई। डोंबिवली का ''नमो रमो नवरात्री'' अब मुंबई और महाराष्ट्र में बहुत लोकप्रिय है। सांस्कृतिक राजधानी के रूप में डोंबिवली की प्रसिद्धि हर जगह है। लेकिन पिछले कुछ सालों से महाराष्ट्र का सबसे बड़ा नवरात्रि उत्सव डोंबिवली में भी ''नमो रमो नवरात्री'' के नाम से मनाया जाता है जहां विश्व प्रसिद्ध गरबा कलाकार आने के लिए उत्सुक रहते हैं। इस साल गरबा क्वीन कही जाने वाली गीताबेन रबारी एक बार फिर अपने ₹नमो रमो नवरात्री₹ उत्सव के साथ नवरात्रि के नौ दिनों को रंगीन बनाएंगी और उनका साथ देंगे मशहूर गरबा गायक नीलेश गढ़वी।

यह नवरात्रि उत्सव केवल डोंबिवली विधायक और महाराष्ट्र के लोक निर्माण मंत्री रवींद्र दादा चव्हाण के कारण

बहुत ही भक्तिपूर्ण और पारंपरिक तरीके से मनाया जाता है, जिन्होंने ''नमो रमो नवरात्री'' की अवधारणा को विकसित किया और हमेशा सभी संस्थानों के पीछे मजबूती से खड़े रहे। रवींद्र चव्हाण ने हमेशा सांस्कृतिक, कला, खेल और साहित्य को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया है। इसके एक भाग के रूप में, हर साल ₹नमो रमो नवरात्रि उत्सव₹ का भव्य तरीके से आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी श्री अंबे माता की स्थापना हिंदू संस्कृति के अनुसार बड़ी श्रद्धा के साथ की गई। प्रतिदिन सुबह और शाम अनुष्ठान पूजा आरती की जाती है और महिषासुर मर्दिनी का आह्वान किया जाता है और प्रसाद के साथ देवी का आह्वान किया जाता है और रात में भव्य मंडप में देवी के सामने गरबा खेला जाता है। न केवल कल्याण डोंबिवली से बल्कि मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल रायगढ़, पालघर के साथ-साथ पूरे महाराष्ट्र से, पारंपरिक वेशभूषा में गरबा प्रेमी गरबा खेलने के लिए ''नमो रमो नवरात्री'' के उत्साह में शामिल होते हैं।

सालाबाद की तरह इस साल भी जाने-माने कला निर्देशक संजय धबडे ने एक शानदार सेट बनाया है। इस वर्ष भी स्वास्तिक इवेंट्स के अनिल पासड ने 70 हजार वर्ग फीट जगह में पूर्णतः वातानुकूलित 135 फीट बाय 500 फीट का भव्य एसी डोम बनाया है। विधायक और मंत्री रवींद्र चव्हाण ने बताया कि इस उत्सव में न केवल गुजराती समुदाय बल्कि सभी जाति और धर्म के लोग उत्साह से भाग लेते हैं.

कोई हारे या जीते पर असली जीत जम्मू-कश्मीर की होना तय

आज साफ-साफ बात करने का समय आ गया है। जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों का नतीजा कुछ भी आए व किसी की भी सरकार बने पर यह तय है कि चुनावी प्रक्रिया व नतीजे कई मायनों में जम्मू-कश्मीर से जुड़ी बहुत-सी भ्रांतियों व वर्जनाओं को तोड़ने वाले साबित होने जा रहे हैं। सही समझें तो ये नतीजे जम्मू-कश्मीर के नव-निर्माण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। इसके साथ-साथ यदि किसी स्वप्निल नव-निर्माण का सपना देखना हो तो उसके अतीत में दफन कुछ कड़वी सच्चाइयों पर दृष्टिपात भी कर लेना अच्छे भविष्य की सुरक्षा व उसके महत्व को समझने के लिए शुभ होता है। चलिए उस खोज को आपके सामने रखते हैं जो आपको उस बिंदु तक ले जाएगी जो कश्मीर में अलगाव के दरिया का सबसे पहले का स्रोत रहा, जहां से इसको पहली चिंगारी मिली। ये खोज जम्मू-कश्मीर में 1987 को हुए विधानसभा चुनाव के बारे में है। तब हालात सामान्य दिखते थे। फिल्मों के शूटिंग शैड्यूल 1988 तक इस तरह के थे जैसे गर्मी के मौसम में पहलगाम दूसरा मुंबई हो। पर वहां की जनता के मन में सरकारों की कारगुजारी से बहुत निराशा व गुस्सा था। लोकतंत्र की यही खूबसूरती भी होती है कि जनता के मन का गुस्सा और गुबार वोट के माध्यम से निकल जाता है तो मानो सरकार बदलकर जनता के मन के प्रैशर कूकर की सीटी सारी भाप को रिलीज कर देती है।

दुर्भाग्य से ऐसा 1987 के चुनाव में जम्मू-कश्मीर में न हो सका। तब केंद्र में राजीव गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सर्वशक्तिमान सरकार थी। इधर कश्मीर में शेख शाही का कुनबा लगातार सत्ता में बना हुआ था। 1987 में जम्मू-कश्मीर में नैशनल कांफ्रेंस (नैकां) व कांग्रेस पार्टी ने मिलकर गठबंधन वाला चुनाव लड़ा। विधानसभा की कुल 76 सीटों पर कांग्रेस 31 सीटों पर लड़ी व नैकां 45 सीटों पर। इनके विरोध में कोई दूसरा राजनातिक दल तो टक्कर देने में सक्षम नहीं था पर कश्मीर की जनता में इस गठबंधन के खिलाफ गहरा असंतोष था। तब विभिन्न छोटे दलों या संस्थाओं के प्रतिनिधियों के तौर पर जम्मू-कश्मीर के युवाओं ने कमर कस ली परन्तु तकनीकी तौर पर उनका संगठन न होने के चलते वे निर्दलीय की श्रेणी में मान लिए गए। जिस प्रकार मौजूदा चुनाव में निर्दलीयों का काफी बोलबाला है, 1987 के चुनाव में तो उससे भी बहुत ज्यादा था। उस समय 344 निर्दलीय चुनाव मैदान में थे। वे एक-दूसरे से जुड़े थे पर उनका मजबूत राजनीतिक संगठन नहीं था। उस चुनाव में इस हद तक धांधली के समाचार आए कि पूरे देश के अखबार इस चुनाव में हुई गड़बड़ी से भरे हुए थे। जैसी कि आम धारणा है कि कश्मीर में लोग 15 से 18 फीसदी ही वोट देते हैं, उसके विपरीत 1987 में जम्मू-कश्मीर का मतदान 74. 88 फीसदी रहा। कांग्रेस ने 31 सीटों पर चुनाव लड़कर 26 सीटें जीतीं, कांग्रेस को मिला मत प्रतिशत 20.20 फीसदी था। नैकां ने 45 सीटों पर चुनाव लड़ा जिनमें से 40 जीतीं और वोट फीसदी रहा 32.98 फीसदी। आजाद प्रत्याशियों ने सभी 76 सीटों पर चुनाव लड़ा परन्तु सीटें मिलीं 8 और मत प्रतिशत 34.76 फीसदी रहा।

इन नतीजों ने उन हारे नौजवानों, जिन्होंने व्यवस्था बदलने के लिए चुनाव लड़ा व सिस्टम ने हरवाने के बाद उनका जिस प्रकार थानों में उत्पीड ? किया उस बेइज्जती को वे सहन नहीं कर पाए। याद कीजिए कि क्या 1987 में कभी कश्मीर में पत्थर चलते थे, गोलियां चलती थीं? अलगाव की कोई तेज बहने वाली हवा भी न थी। अमीरा कदल सीट से चुनाव हारा निर्दलीय मोहम्मद यूसुफ शाह बाद में सलाहुद्दीन बन गया व कितने हजार युवकों को उसने हथियार दिए, गिनती ही नहीं है। यदि ये जीत भी जाते तो सत्ता का सिस्टम उन्हें कुछ ही दिनों में व्यवस्था का हिस्सा बना लेता, पर धक्केशाही ने उन्हें पाकिस्तान के हाथों में धकेल दिया जिसका नतीजा सारे देश ने कई दशक तक भुगता। लेकिन इस बार हवा व फिजा बदली है। वैचारिक व सियासी विरोध के बावजूद जेल में बैठकर उमर अब्दुल्ला को 5 लाख वोटों से हराने वाले सांसद इंजीनियर रशीद भी इंटरव्यू के मौके पर कह ही गए कि जो भी हो पर मोदी साहिब ने चुनाव को इतना साफ-सुथरा करवा कर दिल जीत लिया है। मौजूदा चुनाव कोई हारे या जीते पर असली जीत कश्मीर की होना तय है और कश्मीरियों का दिल जीतने की बात करने वाले मोदी साहिब को कम से कम कोई कश्मीरी तो जुमलेबाज नहीं कह पाएगा। -अर्जुन शर्मा

पक्ष और विपक्ष की चुनावी समीक्षा

-विक्रम दयाल

चुनावी विगुल बजने के बाद जहाँ जहाँ चुनाव होने वाले हैं या हो रहे हैं वहाँ वहाँ के क्षेत्रों में पक्ष या विपक्षी दलों के लोग अपने अपने अजेंडों के साथ जनता को लुभाने के लिए अनेक प्रकार के लुभावने हथकंडे अपनाने में जुट गये हैं. जोड़ तोड़ की गणित तो कुछ ज्यादा ही होने लगी है. कुछ नये चेहरे तो कुछ पुराने चेहरों के साथ सभी दल के अग्रणी नेता अपने नेतृत्व की शुरुवात करदी है. ए दूसरे की जमकर बुराई करते नेता लोग मतदाताओं के पास घर घर जाने लगे हैं.

चुनाव एक त्यौहार के जैसा भारत में आता है. नेताओं के कदम उन बस्तियों में भी पहुँच जाते हैं जहाँ कभी उनके कदम की पहुँच नही होती है. टूटी फूटी झोपड़ियों में, गंदी से गंदी बस्तियों में, भी नेताओं का दर्शन मतदाता पाकर खुद को धन्य समझते हैं. क्यों कि शायद उन मतदाताओं के भाग्य बदलने वाले हैं? गांवों में अभी भी बहुत ऐसे गरीब हैं जिनके चुल्हे रोज नही जलते हैं. कभी कभार ही जलते हैं. अगर ऐसे गाँव में गरीबों के दरवाजे पर कोई नेता पहुँचता है तो वह गरीब अपने को धन्य ही समझेगा. शायद नेताजी के द्वारा उस गरीब का भला हो जयेगा?. परन्तु ऐसा नही होता है. नेताजी तो केवल मत लेने के लिए उसके द्वार पर पांच साल में एकबार के लिए गये हैं? वोट मिलने के बाद नेताजी उस बस्ती या गांव को भी भूल जायेंगे, जहाँ से उन्हें कभी विजयश्री मिली हुई थी. चुनाव के त्यौहार धीरे धीरे बीत रहे हैं, और नेताजी भी उस गाँव की गली को भी भूलने में लगे हुए हैं. चुनावी दंगल में एक दूसरे को सत्ता से दूर रखने की भरपूर कोशिश दोनों पक्ष करते हैं. एक दूसरे की जम कर बुराई करना, और जनता के बीच जाकर केवल अपनी ही बड़ाई करना, हर एक नेता अच्छी तरह जानता है. भूल चुकी जनता के सामने वर्षों की बीती हुई बातें याद दिलाना आज के नेताओं का पहला काम है. कभी अच्छे कर्म की बातें याद नहीं दिलाते हैं. लेकिन अगर कुछ गलत हुआ है तो उसे ताजा खबर बना कर जनता के सामने जरूर प्रस्तुत करेंगे. जनता भी अब सब सही गलत का हिसाब रखती है. जनता जानती है और पहचानती भी है, कौन अच्छा है? और कौन बुरा है? किसी के बहकावे में अबके मतदाता नही आने वाले है. आजकल के मतदाता अपना बेशकीमती वोट उसे ही देंगे जो जनमानस का भला करने वाला नेता हितैशी है. मुख्य मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाना, हर एक मीटिंग में केवल

हिंदू-मुस्लिम की चर्चा करना, हर समय केवल धार्मिक मुद्दों को ही भुनाना, मंदिर-मस्जिद की ही बात करना, क्या इन सब विषय के अलावा जनता को विश्वास में लेने के लिए अन्य कोई दूसरा विषय नही है? मंहगाई पर बात नही होगी. नौकरी की बात नही होगी, रोजगार पर बात नही होगी, किसानों की बात नही होगी. जब भी चुनाव आता है तो केवल हिंदू मुस्लिम की ही बातें होंगी. देशको समृद्धि और शक्तिशाली बनाने की बातें होनी चाहिए, औरतों और बच्चियों के स्वाभिमान को बचाने की भी बातें होनी चाहिए. गरीबी मिटाने की बातें होनी चाहिए, देश को आत्मनिर्भर बनाने की बातें होनी चाहिए, बहुत सारे मुद्दे हैं. जो देश को आगे बढ़ने में सहायक सिद्ध होते हैं, उन सभी मुद्दों की बात होनी चाहिए. आजके मतदाता काम करने वाले नेता को ही अपना मत देंगे?. जो नेता काम करेगा वही चुनावी दंगल में बाजी मारेगा.

क्या इस समय इंडिया गठबंधन का सितारा बुलंदी पर है?

अशोक भाटिया

इंडिया गठबंधन का जब गठन हुआ था तब दूसरे दलों से इस गठबंधन का खूब मजाक उड़ाया था कि यह गठबंधन क्या करेगा ? उत्तरप्रदेश में दो लड़कों की जोड़ी फिर फेल जो जाएगी वगैरह , पर 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन का घोड़ा तेजी से दौड़ रहा है । बीते लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को मिली अच्छी सफलता के बाद दो राज्यों हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव में फिर से इस अलायंस की धमक दिखने लगी है। हाल ही में आए एग्जिट पोल के नतीजे तो यही बता रहे हैं। एग्जीट पोल के नतीजों में जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन बहुमत के करीब दिख रही है। वहीं हरियाणा में कांग्रेस पार्टी अपने दम पर बड़ी जीत हासिल करने की ओर दिख रही है।

अगर एग्जिट पोल के नतीजे वास्तविक साबित होते हैं तो निश्चित तौर पर इसके गहरे राजनीतिक असर देखने को मिलेंगे। खासकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए। राहुल गांधी इस वक्त लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। राहुल गांधी की बीते दो दशक की राजनीति में यह संभवतः पहली बार होगा जब कांग्रेस पार्टी लगातार किसी बड़ी जीत की ओर बढ़ रही है। एग्जिट पोल के औसतन नतीजे देखें जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस को 40-48 सीटें मिल सकती हैं। भाजपा को 27 से 32 सीटें मिल सकती हैं। जबकि पीडीपी को 6-12 और अन्य को 6-11 सीटें मिलने की संभावना है। यहां निश्चित तौर पर पीडीपी-कांग्रेस बहुमत के करीब है। अगर वह बहुमत से दूर रहता है तो ऐसा संभव है कि उसे पीडीपी का साथ मिल जाए। दूसरी तरफ भाजपा और अन्य जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा समर्थित निर्दलीय हैं, के दम पर 40+ हो रही है। यदि हरियाणा के चुनाव बाद सर्वेक्षण देखें तो वहां की 90 सदस्यीय सीट पर कांग्रेस पार्टी 55 से 62 सीटों पर जीत हासिल करती दिख रही है। उसके लिए यह एक बहुत बड़ी जीत कहलाएगी। इससे निश्चित तौर पर उत्तर भारत में पार्टी को अपने दम पर अपेक्षाकृत एक बड़े राज्य में सत्ता मिलेगी। अभी उत्तर भारत में वह केवल हिमाचल प्रदेश में सत्ता में है। अगर हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनती है तो वह तीन राज्यों में अपने दम पर सरकार में होगी। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है।

एग्जिट पोल अगर वास्तविक नतीजे में तब्दील होते हैं तो निश्चिततौर पर यह राहुल गांधी और उनकी टीम के लिए यह बड़ी जीत होगी। लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद से राहुल गांधी लगातार आक्रामक हैं। वह हरियाणा में मतदान से चंद घंटों पहले वहां के बड़े दलित नेता अशोक तंवर को पार्टी में वापसी करवाते हैं। अशोक तंवर वही नेता हैं जिन्होंने बीते 2019 के विधानसभा चुनाव से कुछ माह पहले अध्यक्ष पद से हटाए जाने के कारण कांग्रेस छोड़ दिया था। वह बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर कुमारी सैलजा के खिलाफ मैदान में थे।

वह राज्य में हुड्डा कैंप और सैलजा कैंप से इतर शुरू से राहुल कैंप के नेता रहे हैं। लेकिन, बतौर आलाकमान राहुल गांधी के कमजोर पड़ने और हुड्डा से मनमुटाव के कारण अशोक तंवर को कांग्रेस छोड़ना पड़ा था। लेकिन, 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद राहुल गांधी 2019 वाले राहुल गांधी नहीं हैं। हुड्डा कैंप की तमाम कोशिशों के बावजूद राहुल गांधी टीम ने हरियाणा के चुनाव में अपनी पकड़ बनाए रखी। अगर एग्जिट पोल सही साबित होते हैं तो निश्चित तौर पर हरियाणा में सरकार गठन में भी राहुल गांधी का असर दिखेगा।

इसके अलावा इन दोनों राज्यों के एग्जिट पोल सही साबित होते हैं तो यह भी साबित होगा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटों में घटौती और इंडिया गठबंधन की सीटों में शानदार बढ़ोतरी कोई तुक्का नहीं था। बल्कि, इससे यह साबित होगा कि राष्ट्रीय के साथ राज्यों के स्तर पर अब एनडीए से जनता का मोहभंग होने लगा है। वह अब विकल्प तलाशने लगी है।

अगर एग्जिट पोल सही साबित होते हैं तो इसका सबसे बड़ा असर महाराष्ट्र में भी देखने को मिल सकता है। महाराष्ट्र में एनडीए की सरकार और बीते लोकसभा में उसे वहां बुरी हार का सामना करना पड़ा था। इसके आलावा महाराष्ट्र में विपक्षी इंडिया गठबंधन और आक्रामक होगी। महाराष्ट्र में पार्टी के सामने महाविकास अघाड़ी से मजबूती से निपटने की चुनौती है। पार्टी यहां शिवसेना (शिंदे गुट) के साथ सरकार में हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरने वाली पार्टी ने एनसीपी से अलग होकर आए शरद पवार के भतीजे अजित पवार को अपने खेमे में कर चुकी है। ऐसे में पार्टी को चुनाव के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दे को लेकर सावधानी बरतनी होगी। कहीं ऐसा ना हो कि पार्टी का मुद्दा उसके ऊपर ही भारी पड़ जाए। राज्य में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म होगा। ऐसे में भाजपा के लिए समय के हिसाब से आगे बढ़ना होगा।दूसरी तरफ लोकसभा की हार के बाद एनडीए के नेताओं और कार्यकताओं का उत्साह भी कमजोर पड़ेगा।

झारखंड में भाजपा जेएमएम को हटाकर सत्ता में आने के लिए जोर आजमाइश कर रही है । पार्टी ने इस काम के लिए चंपाई सोरेन को अपने साथ मिलाया है। खास बात है कि भाजपा बड़ी संख्या में चुनाव से पहले विरोधी दल के नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करती है। इसके अलावा उन्हें टिकट भी देती है। ऐसे में पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं के साथ ही वरिष्ठ नेताओं में असंतोष पनपने लगता है। हरियाणा में पार्टी को इस बार टिकट बंटवारों में बड़े पैमाने पर बगावत का सामना करना पड़ा था। ऐसे में पार्टी हरियाणा से सबक लेते हुए झारखंड में भी फूंक-फूंक कर कदम रखना चाहेगी। देखा जाय तो पार्टी राज्य में सत्ता विरोधी लहर से बचने के लिए कई राज्यों में मुख्यमंत्री का चेहरा ही बदल देती है। हालांकि, इस चुनाव में भाजपा को यह दांव कामयाब होता नहीं दिख रहा है। इसके अलावा पार्टी की तरफ से कई पुराने चेहरों का टिकट काटकर नए चेहरों पर दांव लगाया जाता है। इस बार पार्टी की यह रणनीति भी बेअसर साबित होती नजर आ रही है। इसके अलावा पार्टी चुनाव से पहले कलह को कंट्रोल करने में असफल रही है। ऐसे में पार्टी के लिए बागियों की चुनौती से निपटना भी काफी अहम है। वर्तमान में दो विधानसभा चुनावों के एग्जिट पोल से इतना तो तय है कि भाजपा को अब अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करना होगा।

एक बात और राहुल गाँधी अब अपनी तेजी से उड़ती पतंग देख अपने सहयोगियों पर ही दबाव बनाने की कोशिश करने लगे है । हाल के समाचारों के अनुसार असल में उत्तरप्रदेश में 10 सीटों पर विधानसभा उपचुनाव होना है। इसके लिए कांग्रेस 50-50 सीट शेयरिंग फॉमूर्ला चाहती है यानी 5-5 सीटों पर दोनों दल लड़ें लेकिन अखिलेश यादव कांग्रेस को 2 से ज्यादा सीटें देने को तैयार ही नहीं हैं। माना जा रहा है कि अखिलेश यादव ,राहुल गांधी से हरियाणा और जम्मू कश्मीर का बदला लेने की तैयारी कर रहे हैं।

समाजवादी पार्टी अपनी पार्टी का विस्तार करना चाहती है। इसी कोशिश में अखिलेश यादव ने हरियाणा और जम्मू कश्मीर में राहुल गांधी से सीट की मांग की थी। लेकिन राहुल गांधी ने समाजवादी पार्टी हरियाणा और जम्मू कश्मीर में एक भी सीट नहीं दी। जिसके बाद मजबूरी में अखिलेश यादव ने जम्मू कश्मीर में अपने दम पर उम्मीदवार उतारे। राहुल गांधी से मिला ये धोखा अखिलेश शायद ही भूले होंगे और हो सकता है कि उत्तरप्रदेश के उपचुनाव में कांग्रेस को यही सबक सिखाना चाहते हैं। वहीं भाजपा अखिलेश और राहुल की कथित दोस्ती पर कटाक्ष कर रही है। वैसे कांग्रेस ने भी अखिलेश यादव पर दबाव बनाने की रणनीति भी तैयार कर ली है। उत्तरप्रदेश में कांग्रेस ने उन सभी 10 सीटों पर प्रभारी और पर्यवेक्षकों की तैनाती कर दी है, जहां-जहां उपचुनाव होने वाले हैं।

कांग्रेस ने 10 सीटों के लिए प्रत्याशियों के आवेदन मंगाने भी शुरू कर दिए हैं। इसके जरिए कांग्रेस ने अखिलेश तक ये संदेश पहुंचाने की कोशिश की है कि वो 10 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। लोकसभा चुनाव में अखिलेश ने कांग्रेस को 17 सीटें दी थीं, जिसमें कांग्रेस 6 पर जीती थी। इसके बाद कहीं न कहीं अखिलेश यादव के कारण ही ?पी में अस्तित्व खोने की कगार पर खड़ी कांग्रेस पार्टी को संजीवनी मिली थी। अब विधानसभा उपचुनाव में भी कांग्रेस, अखिलेश यादव से उसी दरियादिली की उम्मीद जता रही है। साथ ही साथ उन्हें अकेले उपचुनाव लड़ने का तेवर भी दिखा रही है।

'कार्बन खेती' में छोटे और सीमांत किसानों के लिए लाभ का द्वार

-प्रियंका सौरभ

छोटे पैमाने के किसानों के लिए, कार्बन बाजार खेती के तरीकों को बेहतर बनाने, जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने और वैश्विक जलवायु समाधानों में उनके योगदान का अवसर प्रदान करते हैं। कई कार्बन परियोजनाओं का उद्देश्य वनों, आर्द्रभूमि और अन्य पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा और उन्हें बहाल करना है। ये पारिस्थितिकी तंत्र जैव विविधता के महत्वपूर्ण स्रोत हैं और छोटे किसानों और ग्रामीण समुदायों के लिए आजीविका के अवसर प्रदान कर सकते हैं। देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पिछले छह दशकों से भारतीय कृषि में गहन खेती की प्रथाएँ अपनाई गई हैं। इसके परिणामस्वरूप देश भर में प्रमुख खेती योग्य भूमि में मिट्टी के कार्बनिक कार्बन में महत्वपूर्ण कमी, मिट्टी की उर्वरता में गिरावट और रासायनिक प्रदूषण हुआ है। इसके अलावा, प्रमुख अनाजों की एकल-फसल खेती के साथ गहन खेती ने जैव विविधता को नुकसान पहुँचाया और भूजल संसाधनों की कमी हुई। इन खेती प्रथाओं ने ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में भी वृद्धि की है जो ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन में योगदान करती है। भारत का कृषि वानिकी क्षेत्र कार्बन वित्त परियोजनाओं के साथ एकीकरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है, विशेष रूप से वनरोपण, पुनर्वनरोपण और पुनर्वनीकरण पहलों के माध्यम से।

कार्बन वित्त परियोजनाओं के माध्यम से कार्बन पृथक्करण कार्बन को अलग करने की कृषि वानिकी की क्षमता इसे कार्बन वित्त पहलों का एक केंद्रीय घटक बनाती है। कार्बन वित्त परियोजनाओं में पेड़ लगाना या कृषि परिदृश्य में वृक्ष आवरण को बढ़ाना शामिल है, जिससे किसान कार्बन पृथक्करण गतिविधियों के माध्यम से कार्बन क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं। 2050 तक कृषि वानिकी क्षेत्र को 53 मिलियन हेक्टेयर तक विस्तारित करना बड़े पैमाने पर कार्बन पृथक्करण और वैश्विक कार्बन बाजारों में भागीदारी का अवसर प्रस्तुत करता है। कार्बन वित्त परियोजना पहल आय विविधीकरण की क्षमता भी प्रदान करती है, विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के लिए। हालांकि, छोटे किसानों को अभी भी कार्बन बाजारों से बड़े पैमाने पर लाभ नहीं मिला है - मुख्य रूप से कम कीमतों की पेशकश और व्यापार योग्य, अद्वितीय और सत्यापन योग्य कार्बन क्रेडिट बनाने की उच्च लागत के कारण। इसके अलावा, कार्बन बाजारों में भाग लेने के लिए समय और संसाधनों के महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता हो सकती है। हालांकि कार्बन बाजार कार्बन पृथक्करण के लिए वित्तीय लाभ प्रदान कर सकते हैं, लेकिन किसानों द्वारा वहन की जाने वाली लागतों को कवर करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन अपर्याप्त हो सकते हैं। फिर भी, बाजार तेजी से बदल रहा है, और नई प्रौद्योगिकियां जो संभव है उसकी सीमा का विस्तार कर रही हैं।

कार्बन पृथक्करण से परे, कार्बन वित्त परियोजनाओं के तहत कृषि वानिकी मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाती है, जल प्रतिधारण में सुधार करती है और कटाव को कम करती है, जिससे कृषि उत्पादकता को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, यह क्षरित भूमि को बहाल करके तथा जलवायु संबंधी जोखिमों के विरुद्ध एक बफर प्रदान करके पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है। कृषि वानिकी का समर्थन करने वाली सरकारी नीतियाँ जैसे राष्ट्रीय कृषि वानिकी नीति, 2014 भारत में कृषि वानिकी के विस्तार के लिए एक रूपरेखा प्रदान करती है। कार्बन वित्त के साथ आगे एकीकरण के लिए, इस नीति को कार्बन वित्त परियोजनाओं पहलों का स्पष्ट रूप से समर्थन करने तथा कार्बन बाजारों तक पहुँच को सुगम बनाने के लिए संशोधित किया जाना चाहिए। कार्बन पृथक्करण के लिए सब्सिडी और वित्तीय सहायता, वित्तीय प्रोत्साहन, जैसे कि पेड़ लगाने या वन आवरण को बनाए रखने के लिए सब्सिडी, छोटे किसानों को व्यवस्थित रूप से कृषि वानिकी अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। क्षमता निर्माण और जागरूकता अभियान कृषि वानिकी और कार्बन वित्त के लाभों के बारे में किसानों को शिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं। विस्तार सेवाएँ और गैर सरकारी संगठन सूचना प्रसारित करने और तकनीकी सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, जिससे छोटे और सीमांत किसान कार्बन वित्त पहलों में भाग ले सकें।

छोटे पैमाने के किसान जो कम कार्बन और वनों की कटाई से मुक्त पद्धतियों को लागू करते हैं, वे कार्बन बाजारों से लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में हैं। कार्बन बाजार उन किसानों को मुआवजा देने या प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन प्रदान करते हैं जो महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैं, जैसे कि ग्रीनहाउस गैसों को अलग करना या टिकाऊ खेती प्रथाओं का उपयोग करना। कार्बन पृथक्करण से परे, कार्बन वित्त परियोजनाओं के तहत कृषि वानिकी मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाती है, जल प्रतिधारण में सुधार करती है और कटाव को कम करती है, जिससे कृषि उत्पादकता को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, यह क्षरित भूमि को बहाल करके तथा जलवायु संबंधी जोखिमों के विरुद्ध एक बफर प्रदान करके पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है।

निजी क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जैसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और अंतर्राष्ट्रीय कार्बन वित्त प्लेटफार्मों के साथ जुड़ना कृषि वानिकी-आधारित कार्बन वित्त परियोजनाओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण होगा। वेरा और गोल्ड स्टैंडर्ड जैसे वैश्विक प्लेटफार्मों को भारत-केंद्रित मानकों की आवश्यकता को पहचानने की आवश्यकता है जो छोटे किसानों की कृषि की अनूठी चुनौतियों को ध्यान में रखते हैं। भारत में कृषि वानिकी में कार्बन पृथक्करण, पर्यावरणीय स्थिरता और ग्रामीण आर्थिक विकास में योगदान करने की अपार क्षमता है। भारत में कृषि क्षेत्र के लिए स्वैच्छिक कार्बन बाजार (वीसीएम) को बढ़ावा देने के लिए एक रूपरेखा तैयार की है, ताकि छोटे और सीमांत किसानों को कार्बन क्रेडिट लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। किसानों को कार्बन बाजार से परिचित कराने से उनकी आय में वृद्धि के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों की स्वीकृति में तेजी आ सकती है। किसान टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपना सकते हैं और कार्बन क्रेडिट से अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं, साथ ही मिट्टी, पानी, जैव-विविधता आदि जैसी बेहतर प्राकृतिक पूंजी के संदर्भ में अन्य कृषि-पारिस्थितिक लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

कृषि में कार्बन क्रेडिट बाजार अपनी प्रारंभिक अवस्था में है और इसके लिए सख्त निगरानी और नियामक प्रणाली की आवश्यकता है। ऐसी चिंताएं हैं कि असममित जानकारी, पारदर्शिता की कमी और अपर्याप्त विनियमन कार्बन क्रेडिट के लिए अनुचित मूल्य निर्धारण प्रथाओं को जन्म दे सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आय कम हो सकती है। इसके अतिरिक्त, किसानों और ग्रामीण समुदायों में ज्ञान और जागरूकता की कमी उनके शोषण का कारण बन सकती है। देश में इस बारे में पारदर्शिता, विनियमन और व्यापक जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत उपायों की तत्काल आवश्यकता है। देश में कुशल और पारदर्शी कामकाज के लिए ये प्रणालियाँ आवश्यक हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इच्छित लाभ किसानों तक पहुँचें। कृषि क्षेत्र में स्वैच्छिक कार्बन बाजारों के लिए रूपरेखा कृषि समुदाय के बीच कार्बन बाजार को बढ़ावा देने, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने और वित्तपोषित करने में मदद करेगी। वीसीएम रूपरेखा का मुख्य उद्देश्य हितधारकों को जागरूक बनाना और उनका क्षमता निर्माण करना, किसानों को टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। आगे चलकर यह सतत विकास लक्ष्यों में योगदान देगा, ग्रामीण आजीविका में सहायता प्रदान करेगा और कृषि में लचीलापन बढ़ाएगा।

वंशवाद की गिरफ्त में हरियाणा की राजनीति

भारतीय राजनीति में वंशवाद की बहस नई नहीं है। हर चुनाव में परिवारवाद का मुद्दा उठता है, पर टिकता नहीं। शायद इसलिए कि उससे परहेज तो किसी को नहीं। तीन लालों की राजनीति के लिए हरियाणा देश भर में च?चत रहा। बंसीलाल, देवीलाल और भजनलाल ने दशकों तक हरियाणा की राजनीति पर राज किया। तीनों लाल जीवनकाल में ही अपने लालों को भी राजनीति में स्थापित कर गए। अब उन लालों की अगली पीढ़ी भी राजनीति में आ चुकी है। चर्चा भले अक्सर 3 लालों और उनके परिवारवाद की होती रही हो, पर चंद अपवादों को छोड़ दें तो हरियाणा की पूरी राजनीति ही वंशवाद की गिरफ्त में है।

अब जबकि हरियाणा की 15वीं विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं तो ऐसे उम्मीदवार बड़ी संख्या में हैं, परिवारवाद की पूंछ पकड़ कर ही राजनीति कर रहे हैं। यह और भी आश्चर्यजनक है कि परिवारवाद से पोषित राजनीति अब परिवार तोड़ भी रही है। कभी कहा जाता था कि एक ही परिवार के सदस्य अलग-अलग दल में इसलिए रहते हैं कि सत्ता कभी परिवार से बाहर न जाने पाए, पर वह रणनीति भी अब रार में बदलती साफ नजर आती है। संख्या के लिहाज से चुनाव मैदान में सबसे ज्यादा सदस्य चौधरी देवीलाल के परिवार के हैं। देवीलाल परिवार 2 दल चला रहा है। एक, मूल पार्टी इंडियन नैशनल लोकदल यानी इनैलो, जिसके सर्वेसर्वा देवीलाल के राजनीतिक उत्तराधिकारी ओमप्रकाश चौटाला और उनके छोटे बेटे अभय सिंह चौटाला हैं। दूसरा, परिवार में अलगाव के बाद बनी जननायक जनता पार्टी यानि जजपा, जिसके सर्वेसर्वा ओमप्रकाश चौटाला के बड़े बेटे अजय सिंह चौटाला और उनके दोनों बेटे दुष्यंत एवं दिग्विजय हैं।

जजपा साढ़े 4 साल हरियाणा में भाजपा के साथ सरकार में जूनियर पार्टनर रही और दुष्यंत डिप्टी सी.एम. देवीलाल के ही एक बेटे रणजीत सिंह चौटाला 2019 में रानिया से निर्दलीय विधायक चुने गए थे। उन्हें भाजपा ने न सिर्फ मंत्री बनाया, बल्कि इसी साल लोकसभा चुनाव में हिसार से पार्टी टिकट भी दिया, पर हार गए। अब जब भाजपा ने रानिया से विधानसभा टिकट लायक नहीं समझा, तो रणजीत फिर निर्दलीय चुनाव मैदान में हैं। दिलचस्प यह कि चाचा रणजीत के मुकाबले अभय चौटाला ने अपने बेटे अर्जुन को चुनाव मैदान में उतार दिया है। मंडी डबवाली से भाजपा टिकट न मिलने पर अपने एक और चाचा जगदीश के बेटे आदित्य को अभय ने इनैलो उम्मीदवार बना दिया, लेकिन रणजीत के मामले में वैसी उदारता नहीं दिखाई। शायद इसलिए कि रणजीत के रिश्ते दुष्यंत से ज्यादा अच्छे रहे हैं। मंडी डबवाली से जजपा ने दुष्यंत के छोटे भाई दिग्विजय को मैदान में उतार कर चुनाव को राजनीति के साथ-साथ पारिवारिक मुकाबला भी बना दिया है। अभय के एक और चचेरे भाई रवि की पत्नी सुनैना चौटाला फतेहाबाद से इनैलो उम्मीदवार हैं।

जजपा साढ़े 4 साल हरियाणा में भाजपा के साथ सरकार में जूनियर पार्टनर रही और दुष्यंत डिप्टी सी.एम. देवीलाल के ही एक बेटे रणजीत सिंह चौटाला 2019 में रानिया से निर्दलीय विधायक चुने गए थे। उन्हें भाजपा ने न सिर्फ मंत्री बनाया, बल्कि इसी साल लोकसभा चुनाव में हिसार से पार्टी टिकट भी दिया, पर हार गए। अब जब भाजपा ने रानिया से विधानसभा टिकट लायक नहीं समझा, तो रणजीत फिर निर्दलीय चुनाव मैदान में हैं।

दुष्यंत दूसरी बार उचाना से चुनाव लड़ रहे हैं, जहां उनका मुकाबला आई.ए.एस. की नौकरी छोड़ कर राजनीति में आए बृजेंद्र सिंह से है। बृजेंद्र भी वंशवादी राजनीति से हैं। वह उत्तर भारत के बड़े किसान नेताओं में शुमार रहे चौधरी छोटू राम के वंशज बीरेंद्र सिंह के बेटे हैं। बीरेंद्र सिंह कहते रहे हैं कि राजीव गांधी की हत्या हो जाने के कारण 1991 में वह हरियाणा का मुख्यमंत्री बनते-बनते रह गए। 2014 में कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आए बीरेंद्र सिंह केंद्र में मंत्री बने, पत्नी प्रेमलता हरियाणा में विधायक और फिर बेटा बृजेंद्र 2019 में हिसार से सांसद, लेकिन इसी साल लोकसभा चुनाव से पहले पूरा परिवार कांग्रेस में लौट आया। बंसीलाल के दोनों बेटे रणबीर महेंद्रा और सुरेंद्र सिंह राजनीति में रहे। रणबीर राजनीति के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में भी सक्रिय रहे और उसके अध्यक्ष बने।

सुरेंद्र सिंह को बंसीलाल ज्यादा पसंद करते थे। इसलिए अपनी हरियाणा विकास पार्टी बना कर आखिरी बार मुख्यमंत्री बने बंसीलाल जब कांग्रेस में लौटे तो सुरेंद्र सिंह ही उनके राजनीतिक वारिस बने। हैलीकॉप्टर दुर्घटना में सुरेंद्र की मृत्यु के बाद उनकी जगह पत्नी किरण चौधरी ने ली, जो पहले दिल्ली में राजनीति कर रही थीं। किरण हरियाणा में मंत्री बनीं और उनकी बेटी श्रुति लोकसभा सांसद, पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा से लगातार टकराव के चलते दोनों इसी साल भाजपा में चली गईं।

किरण को राज्यसभा सांसद बनाने के बाद भाजपा ने श्रुति को उनकी विधानसभा सीट तोशाम से टिकट दे दिया है, जहां उनका मुकाबला अपने ही ताऊ रणबीर महेंद्रा के बेटे अनिरुद्ध चौधरी से है, जो कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। सबसे लंबे समय तक लगातार हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी राजनीतिक परिवार से हैं। उनके दादा मातूराम समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी रहे तो पिता चौधरी रणबीर सिंह संविधान सभा के सदस्य तथा पंजाब एवं हरियाणा में मंत्री भी रहे। 2005 में भूपेंद्र हुड्डा के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके बेटे दीपेंद्र भी अमरीकी नौकरी छोड़ कर राजनीति में आ गए, जो रोहतक से चौथी बार लोकसभा के लिए चुने गए हैं। हुड्डा के वर्चस्व को चुनौती देने वाली राज्यसभा सांसद कुमारी सैलजा के पिता दलबीर सिंह कांग्रेस के बड़े दलित नेता रहे। दूसरे हुड्डा विरोधी राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला के पिता शमशेर सिंह सुरजेवाला भी कांग्रेस के बड़े नेता रहे। अब रणदीप के बेटे आदित्य भी कैथल से विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं।

हिसार से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश ने कलायत से बेटे विकास सहारण को टिकट दिलवाया है तो रेवाड़ी से दूसरी बार लड़ रहे चिरंजीव राव भी पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव के बेटे हैं। भजनलाल जीवनकाल में ही पुत्रों को राजनीति में स्थापित कर गए थे। 2005 में प्रचंड बहुमत के बावजूद भजनलाल को मुख्यमंत्री न बनाए जाने पर बनाई हरियाणा जनहित कांग्रेस समेत कांग्रेस में लौटे कुलदीप अब अपने परिवार समेत भाजपा में हैं, तो चंद्रमोहन कांग्रेस में ही रहे। हरियाणा में वंशवाद की फेहरिस्त बहुत लंबी बन सकती है। सभी दलों में ऐसे उम्मीदवारों की संख्या शायद कम होगी, जो वंशवादी राजनीति की देन नहीं हैं। -राज कुमार सिंह

सुपरस्टार मित्र मंडल पंडाल में माता के दर्शन को भक्तों की भारी भीड़

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के चूनाभट्टी सायन स्थित पाटिल गली में सुपरस्टार मित्र मंडल पंडाल में रोज नित्य हो रहे भजन कीर्तन से देवी भक्त श्रद्धालुओं की भारी भीड देखी जा रही है । बतादें कि पाटिल गली चुना भट्टी साइन में 15 वर्ष पूर्व स्वर्गीय सुरेश चंद्रबली यादव द्वारा दुर्गा पूजा एवं डांडिया कार्यक्रम की शुरूआत किये थे उनके निधन के बाद भी परंपरा 15 वर्षों से मनीष मुकेश यादव मनोज मुकेश यादव एवं सुपरस्टार मित्र मंडल के सभी सदस्यों के सहयोग से माता रानी की स्थापना कर 9 दिनों का पूजा कार्यक्रम अनवरत जारी है । मंडल की अध्यक्ष श्रीमती ज्ञानदेवी यादव ने जानकारी देते हुये बताया कि मातारानी के दरबार में जो कोई भी कुछ मुराद की फरियाद करता है माता रानी की कृपा जरूर होती है ।

यदुवंशी समाज सेवा संस्था की विशेष बैठक गोरेगांव राममंदिर में संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के गोरेगांव राममंदिर स्थित आर 11 पवन कोचिंग क्लासेज में यदुवंशी समाज सेवा संस्था की विशेष बैठक संपन्न की गयी । बतादें कि इस बैठक में कार्यक्रम कैसे करें , सदस्यता अभियान व विशिष्ट व्यक्तियों के सत्कार पर चर्चा किया गया । इस अवसर पर संस्था के सलाहकार लालबहादुर यादव (लल्लन), संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिकांत यादव , महासचिव सभाजीत यादव , कार्याध्यक्ष जयसरोज यादव , शिक्षा समिति अध्यक्ष सभाजीत सांचू यादव , सचिव दीनानाथ आर यादव , सचिव आचार्य सूरजपाल , उपाध्यक्ष रवीन्द्रनाथ यादव , यादव , गोरेगांव अध्यक्ष संतोष यादव , महाजन यादव , गजराज प्रसाद यादव , अजय यादव , दीनानाथ यादव , रमाशंकर यादव , सत्यनारायण यादव , सुरेश प्रताप यादव आदि लोग उपस्थित थे । बैठक की अध्यक्षता माताप्रसाद यादव ने किया ।

दिशा मिश्रा तथा सेजल तिवारी का जन्मदिन मनाया गया

नालासोपारा (उत्तर शक्ति)। नालासोपारा पूर्व में ओसवाल नगरी की दिशा अरविंद मिश्रा व सेजल सुनील तिवारी का 4 अक्टूबर 2024 को जन्मदिन अलग-अलग स्थान में बड़े धूमधाम से मनाया गया। दोनों छात्राएं प्रगति नगर स्थित ठाकुर विद्या मंदिर हाईस्कूल दसवीं की छात्रा हैं। बता दे दिशा अरविंद मिश्रा दैनिक उत्तरशक्ति पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा की पोती हैं । इस मौके पर परिवार के सभी सदस्य मौजूद थे। मां रंजू मिश्रा, पिता अरविंद मिश्रा, दादा प्रेम चंद मिश्रा, दादी लीलावती मिश्रा, सीमा, पिता अरविंद मिश्रा , चाचा शिक्षक शैलेन्द्र मिश्रा, धिरेंद मिश्रा , प्रशांत मिश्रा, अनूज, छोटू मिश्रा, दादा फूल चंद मिश्रा , विजय चंद मिश्र, चाची रोशनी मिश्रा, शैली, ख्याति तिवारी (किट्टू), माही मिश्रा, रिया यादव, सोनम सिंह, यशोदा ने भी जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। दादा प्रेम चंद मिश्रा ने जन्मदिन पर आशिर्वाद प्रदान करते हुए उज्वल भविष्य की कामना की । सेजल तिवारी की मां रेखा तिवारी, पिता सुनील तिवारी, सहित कई लोगों ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी । सेजल तिवारी भी प्रेम चंद मिश्रा की पोती लगती हैं। वहीं दैनिक उत्तरशक्ति संपादक ओमप्रकाश प्रजापति ने दोनों बिटिया को जन्मदिन पर बधाई दी है। जगदीश माताशरण तिवारी, अखिलेश तिवारी, प्रिया तिवारी, प्रोफेसर आशिष दूबे (विनय दूबे), बीपीन दुबे ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मृग के कस्तुरी की सुगंध के भांति, बिटिया दिशा व सेजल आप लोगों की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले। जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं।

एमजी विंडसर बनी पहले दिन 15,176 बुकिंग हासिल करने वाली भारत की पहली पैसेंजर ईवी

मुंबई/पटना। भारत की पहली इंटेलिजेंट सीयूवी, एम विंडसर ईवी की बुकिंग गुरुवार, 3 अक्टूबर, 2024 की सुबह 7:30 बजे से शुरू हो गई है। बुकिंग शुरू होने के कुछ ही मिनटों के भीतर विंडसर ईवी को ग्राहकों की ओर से जबर्दस्त रिस्पॉन्स मिला है। 24 घंटे के भीतर, कंपनी को 15,176 यूनिट्स की बुकिंग प्राप्त हुई है। यह बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाली एमजी विंडसर भारत की पहली पैसेंजर ईवी बन गई है। एम जी विंडसर की यह उपलब्धि बताती है कि भारतीय बाजार में चार पहिया ईवी की मांग कितनी तेजी से बढ़ रही है, इसके साथ ही ग्राहकों की यह प्रतिक्रिया इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर लोगों के रुझान में बदलाव को भी प्रदर्शित करती है। ग्राहकों के इस शानदार रिस्पॉन्स के बारे में बात करते हुए जे एस डब्ल्यू मोटर इंडिया के चीफ कॉमर्शियल ऑफिसर सतिंदर सिंह बाजवा ने कहा, हमारे ग्राहक जिन्होंने एम जी विंडसर को तहे दिल से अपनाया, उसके लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। हमारे ग्राहकों के इसी प्यार के चलते विंडसर ने केवल एक दिन में 15,176 बुकिंग का मील का पत्थर हासिल किया है। इस उपलब्धि ने एमजी विंडसर को भारत के इलेक्ट्रिक व्हीकल के बाजार की एक बड़ी ताकत के रूप में स्थापित किया है।

कासा पुलिस ने अपहरणकताओं का किया खुलासा

अगवा किए गए बच्चों को कराया अपहरणकताओं के चंगुल से मुक्त

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। ठाणे जिले से अपहृत दो बच्चों को पालघर जिले की कासा पुलिस ने उस समय मुक्त कराते हुए अपहरणकताओं को धर दबोचा जब वे 4 अक्टूबर 2024 को सायंकाल के समय मुंबई अहमदाबाद राजमार्ग के चारोटी ओवर ब्रिज के पास आपस में मारपीट कर रहे थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कासा पुलिस थाना प्रभारी अविनाश मांडले अपने हमराही पुलिस हवा.मनोहर जाधव, जगदीश जाधव, पुलिस सिपाही इसराइल चांद सैय्यद के साथ नवरात्रोत्सव के मौके पर गस्त पर थे। चूंकि पालघर जिले के पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील ने जिले के सभी थाना प्रभारीयों को सख्त निर्देश देते हुए कहा था कि नवरात्रों उत्सव के मौके पर कोई भी अप्रिय घटना न होने पाए। इसके लिए जो भी जरूरी उपाय हो उसको अपनाने में कोई कोर कसर बाकी न छोड़ा जाय। पुलिस अधीक्षक

बालासाहेब पाटील के इसी निर्देश का पालन करते हुए कासा पुलिस थाना प्रभारी अविनाश मांडले अपने अपने हमराहियों के साथ गस्त पर थे कि अचानक उन्हें चारोटी में मुंबई अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग के पास कुछ लोग आपस में लड़ते झगड़ते दिखाई दिए। जिसके पश्चात कासा थाना प्रभारी अपने हमराहियों के साथ उक्त व्यक्तियों द्वारा आपस में किए जा रहे झगड़े को शांत करने के लिए मौके पर पहुंचे, तो दो बच्चे भी दिखाई दिए। कासा थाना प्रभारी द्वारा बच्चों से की गई पूछताछ में अपहरणकताओं के कारगुजारियों का पदार्फाश हो गया। जिसके पश्चात आपस में लड़ झगड़ रहे व्यक्तियों को गिरफ्तार करने के बाद उनसे की गई कड़ाई से पूछताछ में सभी ने स्वयं के द्वारा की गई अपहरण की वारदात के बारे में सब कुछ साफ-साफ उगल दिया। गिरफ्तार अपहरण कताओं के नाम विनोद रा.गोसावी(29), आकाश वि.गोसावी(28), राहुल रा. गोसावी(27), अंजली वि. गोसावी(28), चंदा वि.गोसावी (55), जयश्री आ. गोसावी(25) निवासी मेशल विजयनगर, तहसील मिरज, जिला सांगली बताए गए हैं। फिलहाल अपहरणकताओं द्वारा अपहरण में शामिल होने के कबूलनामे के बाद सभी आरोपियों को कल्याण के महात्मा फुले थाना में दर्ज भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत महात्मा फुले थाने में सुपर्द कर दिया तथा अपहृत बच्चों को भी महात्मा फुले थाने में कासा पुलिस द्वारा सौंप दिया गया।

जोगेश्वरी में माता की चौकी आज

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सामाजिक संस्था हिंदीभाषी समता संघ की ओर से सोमवार,7 नवंबर को शाम 5 बजे जोगेश्वरी (पूर्व) के यूसुफ स्माइल कालेज गेट के पास स्थित जोगेश्वरी 'जेईएस' एज्युकेशन सोसायटी हाल में माता की चौकी का आयोजन किया गया है। हिंदीभाषी समता संघ के पदाधिकारी लल्लन जैसवार ने बताया है यह धार्मिक कार्यक्रम संस्था के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में माता की चौकी के अलावा भक्तों के लिए महाप्रसाद व मां दुर्गा की शान में धार्मिक गीतों की भी व्यवस्था की गई है,जिसकी प्रस्तुति प्रसिद्ध लोकगायिका पूनम विश्वकर्मा देंगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कार्यकारिणी के हरिगोविंद विश्वकर्मा, अरुण कुमार गुप्ता, प्रकाश मौर्या, निर्मला चौरसिया, सुशीला गुप्ता, माया देवी गौड़, स्वामीनाथ पाल, घनश्याम यादव, रामजी विंद, अशोक शर्मा, जितेंद्र कनोजिया, ओमप्रकाश प्रजापति, श्याम किशोर माली, अनिल राजभर, रामसेवक चौहान,जितेंद्र यादव, शीतला प्रसाद सरोज और गंगाराम विश्वकर्मा उपस्थित रहेंगे।

शिव सेना उद्धव गुट के अल्पसंख्यक विभाग में मुस्लिम समाज को मिली जिम्मेदारी

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। अल्पसंख्यक विभाग शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पक्ष आदेश अनुसार जिला प्रमुख पंकज देश मुख, उत्तर भारतीय जिला प्रमुख सुरेंन्द्र सिंह अल्पसंख्यक विभाग प्रमुख अजहर खान प्रगति नगर शाखा प्रमुख गुलजार शेख के नेतृत्व में शिव सैनिक कार्यकर्ताओं को आगामी विधान सभा चुनाव को देखते हुए मुस्लिम समाज के कई जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौपी गई। जिसमे अल्पसंख्यक विभाग उप तालुका प्रमुख शफीकुर राहमान (सन्ने भाई) को जिम्मेदारी सौपी गई। ऐसे ही कई पद अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है अल्पसंख्यक विभाग मे शहर संघटक मोईन शेख, उप शहर संघटक नदीम शेख, शाखा प्रमुख अल्पसंख्यक विभाग शिराज शेख को पद भार की जिम्मेदारी दी गई। कई शिवसैनिक कार्यकर्ताओं का भी पक्ष प्रवेश भी हुआ जिसमे कई महिला भी सम्मलित थी।

14 करोड़ की निधि से सड़क कांक्रीटीकरण करने का भूमिपूजन

विधायक ने भूमिपूजन का नारियल तोड़ा

कल्याण(उत्तरशक्ति)। शनिवार को कल्याण पश्चिम विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में करीब 14 करोड़ की विकास निधि से विभिन्न महत्वपूर्ण रास्तों का कांक्रीटीकरण करने के लिए भूमिपूजन संपन्न हुआ। कल्याण पश्चिम के काला तलाव स्थित जैन सोसायटी, पत्रीपुल स्थित सर्वोदय सागर सोसायटी एवं ऊंबर्डे की पुरानी मराठी स्कूल परिसर में सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। शिवसेना के विधायक विश्वनाथ भोईर ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कल्याण पश्चिम की बदहाल सड़कों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपये की निधि आवंटित की है, जिसमें आज पहले चरण में तीन स्थानों पर सड़क कांक्रीटीकरण की नींव रखी गई। भोईर ने कहा कि जो रास्ते महत्वपूर्ण है या जिनकी हालत दयनीय बनी हुई है, उन रास्तों को कांक्रीट के जरिए मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की आचारसंहिता लगने से पहले शेष सभी विकासकार्यों का उदघाटन कर लिया जाएगा। भोईर ने आगे कहा कि आज संपन्न हुए भूमिपूजन के बाद जल्द ही कांक्रीटीकरण का काम भी शुरू हो जाएगा और लोगों को आवाजाही के लिए एक बेहतर रास्ता उपलब्ध होगा। कल संपन्न हुए भूमिपूजन कार्यक्रम में शिंदे गुट की उपनेता विजया पोटे, शहर प्रमुख रवि पाटील, महिला जिला संगठक छाया वाघमारे, विधानसभा संगठक श्रेयस समेल, नेत्रा उगले, सुनील खारुक, रामदास कारभारी, प्रतीक पेनकर, सुचेत डामरे, सुजीत रोकड़े सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

द बॉडी शॉप ने स्पार्क ए चेंज 2.0 अभियान लॉन्च किया

मुंबई। ब्रिटेन के मशहूर ब्यूटी ब्रांड, द बॉडी शॉप ने प्लास्टिक्स फॉर चेंज (पीएफसी) के साथ अपनी पांच साल की सफल साझेदारी का जश्न मनाया है। मुंबई में यह साझेदारी प्रमाणिक तरीके से खरीदे गए रीसाइकल्ड प्लास्टिक का सबसे बड़ा स्रोत है। इस खास मौके पर द बॉडी शॉप ने अपने पुरस्कृत कैम्पेन #स्पार्क ए चेंज# के तहत एक नई डिजिटल फिल्म पेश की, जिसमें भारतीय अभिनेत्री और मॉडल डायना पेंटी नजर आ रही हैं। इस कार्यक्रम में द बॉडी शॉप के एशिया साउथ के चीफ ब्रांड ऑफीसर हरमीत सिंह, प्लास्टिक्स फॉर चेंज के चीफ ऑपरेशंस ऑफीसर श्रीनिधि कश्यप और इस प्रोजेक्ट से लाभान्वित दीपा ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा और इस महत्वपूर्ण साझेदारी के बारे में बात की।

शिवसेना शिंदे गुट ने दहानु व पालघर विधानसभा क्षेत्र में चलाया लाडकी बहिण संपर्क अभियान

पालघर(उत्तरशक्ति)। शिवसेना के प्रमुख नेता एवं महाराष्ट्र के लोकाभिमुख मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के निदेर्शानुसार पालघर जिले में पंचायत समिति गण एवं जिला परिषद समूहवार लाडकी बहिण संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पिछले कुछ दिनों से अलग-अलग विभागों में बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों के दौरान यह महसूस किया जा रहा है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पीछे महिलाओं का भारी उत्साह और आशीर्वाद है।

इसी अभियान के तहत शिवसेना शिंदे गुट द्वारा पालघर विधानसभा की कासा पंचायत समिति की एक बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।इस दौरान सभी ग्रामीणों ने उज्वल भविष्य के लिए शिवसेना शिंदे गुट के साथ खड़े रहने का संकल्प व्यक्त किया। शिवसेना शिंदे गुट के संपर्क अभियान कार्यक्रम में शिवसेना जिला प्रमुख कुंदन संखे साथ जिला संघटिका वैदेही वाढाण, तहसील प्रमुख संतोष देशमुख, पालघर विधानसभा महिला संघटिका अंजलि बारी, भटक्या प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सचिन धायगुडे, महिला पदाधिकारी दीपा धर्ममेहर, सुरेखा चौरे, विभाग प्रमुख राजकुमार गिरी, उपविभाग प्रमुख एकनाथ सोलकर सहित अन्य शिवसेना शिंदे गुट के पदाधिकारी उपस्थित थे।

शोभा यात्रा नगर दर्शन हेतु निकाली गई श्रीराम बारात

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री रामलीला उत्सव समिति के तत्वाधान में छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान पार्क साईट विक्रोली (पश्चिम) मुंबई79 में लगातार 58 वर्षो से रामलीला का मंचन किया जारहा है। गौरतलब है विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी इसी मैदान से समिति द्वारा दिनांक 6 अक्टूबर दिन रविवार को 3 बजे से समिति प्रमुख मार्गदर्शक चन्द्रशेखर आर शुक्ल के मार्गर्शन में समिति अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल एवं समस्त कार्यकारिणी के नेतृत्व में श्रीराम बारात रथ घोड़े बैंड बाजे के साथ अयोध्या से जनकपुर के लिए कुल गुरु वशिष्ठ और राजा दशरथ, श्रीराम, भरत, लक्ष्मण,शत्रुघ्न रथ पर सवार नगर दर्शन हेतु पूरे क्षेत्र में मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की झाँकी शोभायात्रा निकाली गई। बारात देखने को देखने के लिए नगरवासियों में उत्सुकता देखने को मिला तथा लोगों ने जगह जगह राम जी की आरती उतारकर पुष्प वर्षा किए और रामभक्तों के लिए सरबत, लड्डू जलपान की व्यवस्था भी की गई थी। पुरे क्षेत्र के लोगों ने हर्षोल्लास के साथ राम नाम का दुपट्टा के साथ जय श्री राम के उदघोष के साथ रामबारात मे शामिल हुए। समिति के दिवाकर मिश्र, एस पी सिंह,आदेश कुमार मिश्र, रामबिलास पाठक, दलजीत पांडेय, बृजेश शुक्ल, अरविंद शुक्ल, राजेश सिंह, दीनानाथ सिंह,दिनेश सिंह, सर्वदेव पांडेय, राजकुमार तिवारी, बाबुलनाथ तिवारी, हरीश पांडेय, चंद्रेश दुबे,मनिकेश तिवारी, देवेंद्र सिंह,अवधेश तिवारी, राजन सिंह, ब्रंहदेव दुबे, शुभम सिंह, संजय मिश्र,अशोक गुप्ता राजेश पांडेय,सहित आस पास तथा क्षेत्र के सभी भक्तगणों ने प्रभु श्रीराम के बारात में हजारों की संख्या मे शामिल होकर अपने को सौभाग्य साली मानते हुए आयोजन को सफल बनाने मे लगे रहे।

मंत्री चव्हाण ने सक्षम महिला योजना का उदघाटन किया

कार्यक्रम में हजारों की संख्या में उपस्थित रही महिलाएं

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। रविवार को राज्य के लोक निर्माण मंत्री रविंद्र चव्हाण की संकल्पना से महिला सशक्तिकरण के मकसद से डोंबिवली में सक्षम महिला योजना का उदघाटन किया गया। डोंबिवली पूर्व के सांवलाराम क्रीड़ा संकुल में मंत्री रविंद्र चव्हाण द्वारा आयोजित नमो-रमो नवरात्रि उत्सव के पंडाल में इस योजना का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर डोंबिवली शहर के विभिन्न बचत गुटों की महिलाएं हजारों की संख्या में उपस्थित थीं। वहीं मंच पर मंत्री रविंद्र चव्हाण के साथ भाजपा के कल्याण जिलाध्यक्ष नरेंद्र सूर्यवंशी, पूर्व जिलाध्यक्ष शशिकांत कांबले, नंदू परब सहित कई

पदाधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री चव्हाण ने योजना के बारे में अधिक जानकारी देते हुवे कहा कि महिलाएं अब किसी से कमजोर नही है । महिलाओं के लिए मोदी सरकार से लेकर राज्य सरकार ने बहुत सारी योजना लाये है आने वाले समय में इन योजनाओं से महिलाओं को काफी लाभ होगा।

लावा ने डुअल एमोलेड डिस्प्ले के साथ अग्नि 3 को लॉन्च किया

मुंबई। भारत में स्मार्टफोन का निर्माण करने वाली अग्रणी कंपनी, लावा इंटरनेशनल लिमिटेड ने इस फेस्टिव सीजन में अपने बिल्कुल नए फ्लैगशिप स्मार्टफोन, लावा अग्नि 3 के लॉन्च की घोषणा की है, जो सही मायने में एक हाई-टेक स्मार्टफोन है। टेक्नोलॉजी को पसंद करने वाली नई पीढ़ी को ध्यान में रखकर अग्नि 3 को डिजाइन किया गया है, जिसने इस सेगमेंट में पहली बार एमोलेड डिस्प्ले और बेहद दमदार मीडियाटेक डिमेंसिटी 7300 प्रोसेसर जैसे शानदार फीचर्स के साथ उत्कृष्टता की एक नई मिसाल कायम की है और यह स्मार्टफोन केवल 19,999 रुपये की रोमांचक शुरूआती कीमत पर उपलब्ध है। इस स्मार्टफोन के लॉन्च के साथ कंपनी ने अपने फ्लैगशिप सीरीज का विस्तार किया है, जो अत्याधुनिक हार्डवेयर के साथ-साथ सॉफ्टवेयर में हुई प्रगति का शानदार संगम पेश करते हुए यूजर्स को बेमिसाल अनुभव प्रदान करता है।

विधानसभा संगठक मयूर पाटिल की ओर से लाडली बहन संपर्क अभियान

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के मोहने इलाके में शिवसेना शिंदे गुट के विधानसभा संगठक और पूर्व नगरसेवक मयूर पाटिल द्वारा लाड़ली बहन संपर्क अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें में भारी संख्या में टिटवाला क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं ने इस कार्यक्रम में अपनी भागीदारी दर्ज की। कल्याण पश्चिम के विधायक विश्वनाथ भोईर, शिवसेना उपनेता विजया पोटे, महिला जिला संगठक छाया वाघमारे, कल्याण पश्चिम शहर प्रमुख रवि पाटिल, पूर्व नगरसेविका नमिता मयूर पाटिल, अंकुश जोगदंड, नेत्रा उगले और कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर गणमान्य लोगों ने उपस्थित महिलाओं का मार्गदर्शन किया और सरकार की अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी और आगामी विधानसभा चुनाव में महायुति को वोट देने का आग्रह भी किया।

लाडली बहनों को उपहार के साथ सम्मान देना प्रेरणादायकः अमृता फडणवीस

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन सेवा पखवाड़ा दिवस के रूप में पूरे देश में मनाया जा रहा हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष तथा अल्पसंख्यक मोर्चा महाराष्ट्र एसएम खान द्वारा 5 अक्टूबर को शाम 7 से रात 10 बजे तक जोगेश्वरी पश्चिम स्थित ओशिवारा मेट्रो स्टेशन के पास स्थित म्हाडा मैदान में 10 हजार जरूरतमंद लाडली बहनों को उपहार के रूप में साड़ी और सूट वितिरित कर उन्हें सम्मानित करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की धर्मपत्नी अमृता ताई फडणवीस ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि लाडली बहनों को उपहार के साथ सम्मानित कर एसएम खान ने एक प्रेरणादायक कार्यक्रम किया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ाने तथा उनका सम्मान बढ़ाने के लिए भाजपा कृत संकल्पित है । इस अवसर पर भाजपा मुंबई अध्यक्ष एड.आशीष शेलार, भाजपा महाराष्ट्र महासचिव

संजय कुमार केनेकर, मुंबई महासचिव संजय उपाध्याय, प्रदेश उपाध्यक्ष एजाज देशमुख, आसिफ खान (गुड्डू), दर्जा प्राप्त (राज्यमंत्री) भाजपा अल्पसंख्यक सेल की महाराष्ट्र अध्यक्ष इदरीश मुल्तानी, भाजपा अल्पसंख्यक सेल मुंबई अध्यक्ष वसीम खान, और स्थानीय विधायिका डॉ. भारती ताई लवेकर उपस्थित रहे। एसएम खान ने बताया कि कार्यक्रम में वितरित किए जाने के बाद बची हुई साड़ियां तथा सूट एक महीने तक कार्यालय में लाडली बहनों को वितरित किया जाएगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 *संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,

दुर्गा महिला सेवा संस्था एवं मनराज प्रतिष्ठान द्वारा निशुल्क शिविर साकीनाका मुंबई में

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई। दुर्गा महिला सेवा संस्था एवं मनराज प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित निशुल्क महा आरोग्य शिविर का आयोजन दुर्गा माता मंदिर,दुर्गा मंदिर गली,खैरानी रोड,सकिनाका मुंबई में 6 ऑक्टोबर 2024 रविवार को किया गया। जहां पर सैकड़ो लोगों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण व नेत्र जांच कराया। जहां पर मुफ़्त चश्मा वितरण भी किया गया। कार्यक्रम की आयोजकता उषा किरण द्विवेदी द्वारा की गई। आए हुए सभी क्षेत्रीय नागरिकों तथा चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मियों का आभार व्यक्त किया और आए हुए सभी मेहमानो को शॉल और पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया गया। इस कार्यकर्म में मुख्य अतिथि अनिल गलगली और अतिथि के रुप मे उपस्थित रहे सुखबिंदर सिंह (लाला भाई),मो.शोएब खान,ओमप्रकाश प्रजापति उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार के सम्पादक,हरिकेश जैसवाल समाचार 9 ब्यूरो प्रमुख,मो.असलम समेत अन्य समाजसेवक भी मौजुद रहे साथ ही साथ वाहा के नागरिको तथा सभी मेहमानों ने भी मुफ़्त चिकित्सा शिबिर का लाभ लिया।

वाराणसी तेवर अखाड़े से लगभग 20 साल बाद कुश्ती प्रतियोगिता में करेगा प्रतिभाग

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। 68वीं विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता गोरखपुर में 29 सितंबर से 3 अक्टूबर 2024 तक आयोजित की गयी थी। जिसमें अंडर 17 बालक वर्ग 60 किलो ग्रीको रोमन में संदेश यादव ने गोरखपुर स्पोर्ट्स कॉलेज का प्रतिनिधित्व करते हुए गोल्ड मेडल जीता और राष्ट्रीय स्कूल कुश्ती के लिए क्वालीफाई किया। संदेश यादव की पहलवानी तेवर अखाड़े वाराणसी से हिंद केसरी लाल जी पहलवान की देखरेख में प्रारंभ किया। और आज अपने गांव बरईक्षा चोलापुर वाराणसी और अखाड़ा तेवर का नाम रोशन कर रहा है। गांव और क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। लोगों की इस बात की खुशी है कि काफी दिन बाद हमारे क्षेत्र से कोई पहलवान राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए जा रहा है। तेवर अखाड़े के उस्ताद हिंद केसरी लाल जी पहलवान ने बताया कि संदेश यादव स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर में इस समय अनीश यादव कुश्ती प्रशिक्षक के देखरेख में अभ्यास कर रहे हैं।

जमीयत उलेमा ए हिंद की शहर कमेटी का हुआ गठन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जमीयत उलेमा ए हिंद की एक बैठक नगर के मोहल्ला मंडी नसीब खाँ स्थित आलम मस्जिद में मौलाना वसीम अहमद शेरवानी अध्यक्ष जमीयत उलेमा ए हिंद की अध्यक्षता में रखी गयी जिसमें शहर की कमेटी का गठन किया गया। सर्वप्रथम मौलाना वसीम अहमद ने जमीयत उलेमा ए हिन्द के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए खिदमत ए खल्क पर जोर दिया और साथ ही हिन्दू मुस्लिम एकता का संदेश दिया। उसके बाद शहर कमेटी का गठन करते हुए मोहम्मद जमीरद्दीन जम्मू को सरपरस्त,मौलाना अब्दुल हन्नान को अध्यक्ष,मुफ़्ती सलमान महमूद कासमी व हाफिज मोहम्मद आरिफ को उपाध्यक्ष,मौलाना मोहम्मद शकील को सेक्रेटरी व मौलाना अब्बास,हाजी मोहम्मद सलीम को नायब सेक्रेटरी,जावेद अहमद को कोषाध्यक्ष व अबुलखैर को मीडिया प्रभारी सर्वसम्मति से चुना किया इसके अतिरिक्त ग्यारह लोगों को सदस्य बनाया गया। मौलाना वसीम अहमद की दुआ पर मीटिंग का समापन किया गया। इस अवसर पर मोहम्मद यासीन अहमद,इकबाल अहमद अंसारी,मोहम्मद ओसामा,डॉक्टर मोहम्मद खालिद,मौलाना मोहम्मद नासिर अम्मार,कारी मोहम्मद उमर,असलम इंजीनियर,मोहम्मद अमजद,हाफिज दिलशाद अहमद,मौलाना मुदस्सिर,नेहाल अहमद,इश्तेयाक राईनी,मोहम्मद अरशद,हाफिज मोहम्मद हारिस,मोहम्मद साजिद,इस्हाक अंसारी आदि उपस्थित रहे।

लायंस क्लब जौनपुर रॉयल का द्वारा प्राइमरी स्कूल के बच्चों को नि:शुल्क जूता-मोजा वितरण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर रॉयल ने समाज सेवा का एक अनूठा उदाहरण पेश करते हुए प्राइमरी पाठशाला शकरमंडी जौनपुर के सभी बच्चों को निःशुल्क जूता और मोजा वितरित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार तरुण मित्र के सम्पादक आदर्श कुमार ने कहा कि बच्चों को नंगे पांवों से मुक्ति दिलाकर उन्हें जूता-मोजा पहनाना सच्ची सेवा है। उन्होंने इस प्रयास को एक अत्यंत नेक कार्य करार दिया और क्लब के इस पहल की मुक्तकंठ से सराहना की। क्लब के अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के सबसे निचले तबके के बच्चों को मदद प्रदान करना है। और इन बच्चों के चेहरों पर आई खुशी देखकर यह स्पष्ट है कि यह पहल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होगा। संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता ने भी इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम उन बच्चों के लिए एक प्रेरणा है। जो अत्यंत गरीब तबके से आते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य अतुल गुप्ता ने सरकार द्वारा अभिभावकों को जूता-मोजा के लिए दिए गए पैसे के बावजूद इस पहल की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अभिभावकों की उदासीनता के कारण बच्चों में हीन भावना विकसित हो जाती है।और इस प्रकार का प्रयास उन भावनाओं को दूर करने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम का संचालन कर रहे सचिव अजय सोनकर ने और डॉ. विष्णु गौड़ ने प्रेरणादायक किस्सों के माध्यम से बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर क्लब के सदस्य संजीव साहू, अभिताष गुप्ता, राजेश किशोर श्रीवास्तव, अभिषेक बैंकर, संतोष अग्रहरि, अमित गुप्ता, बालकृष्ण साहू, अजय मोदनवाल सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सेवा सप्ताह चेयरपर्सन आशीष गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मानवता की सेवा के लिए जुटे रहे इंसानियत के सिपाही,कहीं रक्तदान तो कहीं निकली प्रभातफेरी तो कहीं चला स्वच्छता झांडू

शिक्षण संस्थानों से लेकर सरकारी गैरसरकारी कार्यालयों व राजनीतिक दलों ने बापू को किया याद, शास्त्री प्रतिमा पर भी माल्यार्पण

सुरेश गांधी

वाराणसी। राष्ट्रपिता महात्मागांधी और आदर्श राजनेता और भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्मदिन बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। शहर में विभिन्न जगहों पर प्रशासनिक अधिकारियों, राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों की ओर से कार्यक्रम किए गए। इस मौके पर कहीं इंसानियत के लंबरदारों ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया तो कहीं राजनीतिक दलों के कार्यकताओं ने सड़कों पर झांडू लगाया, तो स्कूलों में प्रभातफेरी निकालकर दोनों महापुरुषों पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें याद किया।

सोनभ्रद्र के दुद्धी स्थित प्राथमिक विद्यालय, कलकली बहरा में प्रधानाध्यापिका वषार्रानी जायसवाल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को नमन करते हुए उन्हें पुष्प अर्पित किया। वषार्रानी ने कहा कि उनके ही कुशल नेतृत्व में भारत ने 1965 के युद्ध में पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी और लाल बहादुर शास्त्री ने प्रधानमंत्री होते हुए जय जवान जय किसान का नारा देकर दुश्मन देश के दांत खट्टे किए थे। उन्होंने देश की एकता एवं अखंडता को मजबूती दी।

प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्वच्छता के लिए जन आन्दोलन के उत्सव के दृष्टिगत स्वभाव स्वच्छता- संस्कार की थीम पर मनाया गया। जिसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में जनसहभागिता से वृहद स्वच्छता कार्यक्रम में आयोजन किया गया।

बड़ी संख्या में नागरिकों की भागीदारी, परम्परागत कचरा वाले चुनौतीपूर्ण स्थलों को चिन्हित करके उन्हें साफ करने का वृहद अभियान चलाने, स्वच्छता कर्मियों के योगदान को पहचानते, पिछले दशक की उपलब्धियों का उत्सव मनाने और सम्पूर्ण स्वच्छता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सुनिश्चित किये जाने का संकल्प लिया। 02 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवसह्न के रुप में मनाये जाने के उद्देश्य से जनपद स्तर पर मुख्य कार्यक्रम विकास भवन के सभाकक्ष में दो महान विभूतियों के माल्यार्पण कर मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल द्वारा प्रारम्भ किया गया। उन्होंने बताया कि जनपद में स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक 6.17 लाख लोगों द्वारा स्वच्छता में जनभागीदारी, सीटीवी, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर में जन भागीदारी की गयी।

बिग बॉस के विजेता रह चुके हैं ये सितारे, देखें पूरी लिस्ट

छह अक्टूबर से बिग बॉस सीजन 18 शुरू हो रहा है। हर साल की तरह नए लोग और नई थीम के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए यह तैयार है। इस सीजन को सलमान खान होस्ट कर रहे हैं। बिग बॉस टीवी का सबसे बहुप्रतीक्षित शो है। इसे लेकर दर्शकों में काफी उत्साह रहता है। रविवार की रात एक ग्रैंड प्रीमियर के साथ इसकी शुरूआत होने जा रही है। आज हम बिग बॉस के सभी सीजन के विजेताओं के बारे में आपको बताने जा रहे हैं। जो इस शो का हिस्सा बनें और ट्रॉफी अपने नाम की। आइए जानते हैं पहले सीजन से लेकर 17वें सीजन के विनर्स के बारे बिग बॉस के पहले सीजन की ट्रॉफी अपने नाम करने वाले थे आशिकी के अभिनेता राहुल रॉय। शो जीतने पर उन्हें एक करोड़ रुपये प्राइज मनी मिली थी। आशुतोष कौशिक ने बिग ह्यबॉस सीजन 2 का खिताब अपने नाम किया था। शो जीतने पर उन्हें ट्रॉफी के साथ एक करोड़ रुपये प्राइज मनी भी मिला था।

69 की उम्र में 'खून भरी मांग' एक्ट्रेस Rekha का नया लुक देख उड़े फैंस के होश, बोले- खूबसूरती में ऐश्वर्या भी फेल

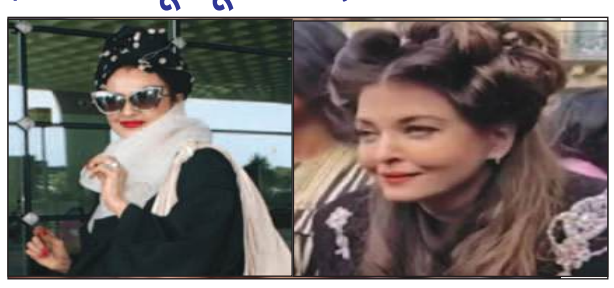

अपने जमाने की ब्यूटिफुल और टॉप एक्ट्रेस रहीं रेखा (Rekha) आज भी खूबसूरती के मामले में अच्छे-अच्छों को मात देती हैं। रेखा अब भले ही पहले की तरह फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव नहीं हैं लेकिन उनका चार्म आज भी बरकरार है। अक्सर सिल्क साड़ी में नजर आने वालीं रेखा के लेटेस्ट और नए लुक ने लोगों का दिल जीत लिया है।

एंटरटेमेंट डेस्क, नई दिल्ली। बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस रेखा उम्र के इस पड़ाव में भी अपने लुक से लोगों के होश उड़ाती हैं। 69 की उम्र में भी उनका फैशन सेंस काबिलेतारीफ माना जाता है। रेखा अपनी इन्हीं अदाओं के कारण आज भी कई लोगों की पसंदीदा हीरोइन में से एक हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं। यहां उन्हें 80 के दशक के ट्रेंडी लुक में देख लोगों के होश उड़ गए। देखते ही देखते एक्ट्रेस की तस्वीरें वायरल होने लगीं। इस साल अबु धाबी में IIFA Awards का आयोजन होना है। रेखा इस फंक्शन को अटेंड करने के लिए मुंबई से वहां के लिए रवाना हो चुकी हैं। एयरपोर्ट पर जब एक्ट्रेस ने एंट्री ली, तो देखने वाले उन्हें देखते ही रहे गए। रेखा 'खून भरी मांग' फिल्म में अपने लुक के स्टाइल में नजर आईं। सिर पर स्कार्फ, होठों पर लाल लिप्स्टिक और आंखों में बड़े-बड़े गॉगल्स लगाए रेखा ने एक बार फिर अपनी खूबसूरती का परिचय दिया। बता दें कि एक्ट्रेस के इस लुक को देख फैंस को उनके 80 के दशक के लुक की याद आ गई, जब एक्ट्रेस ने कई फोटोशूट सिर पर स्कार्फ बांधे कराया था। इस बार एयरपोर्ट लुक पर भी वह कुछ ऐसे ही हाल में नजर आईं। उन्होंने काले कलर की लॉन्ग ड्रेस पहनी थी। रेखा के लेटेस्ट लुक को देख फैंस उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए हैं।

Bigg Boss 18: 400 जोड़ी कपड़े लेकर 'बिग बॉस' के घर में आईं ये हसीना, बनने वाली थीं 'रामायण' की सीता

रियलिटी शो बिग बॉस 18 (Bigg Boss 18) के घर में एक ऐसी बोल्ड एक्ट्रेस लॉक हुई हैं जिनको लेकर चर्चा है कि वह शो में 400 जोड़ियां कपड़े लेकर आई हैं। यह एक्ट्रेस सिर्फ छोटे पर्दे पर ही नहीं बल्कि बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी काम कर चुकी हैं। जानिए बिग बॉस का हिस्सा बनने वाली इस एक्ट्रेस के बारे में। एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। बिग बॉस के घर में लड़ाई और रोमांस के अलावा कई हीरोइनें अपने फैशन सेंस से लाइमलाइट चुराती हैं। चाहे हिना खान (बिग बॉस 11) का स्टाइल स्टेटमेंट हो, प्रियंका चाहर चौधरी (बिग बॉस 16) के ईयररिंग्स कलेक्शन हो या फिर 200 कपड़ों के साथ अंकिता लोखंडे (बिग बॉस 17) की शो में एंट्री हो, कई एक्ट्रेसेस ने फैशन के दम पर दर्शकों का ध्यान खींचा है। अब 18वें सीजन में भी टीवी की हॉट बाला कुछ ऐसा ही करने वाली हैं।

बिग बॉस 18 (Bigg Boss18) के घर में टीवी की एक हॉट बाला की एंट्री हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस एक्ट्रेस ने बिग बॉस के घर में अपने साथ एक-दो सौ नहीं बल्कि 400 जोड़ी कपड़े लेकर गई हैं। यह एक्ट्रेस हैं नायरा बनर्जी (Nyrra Banerji))। पिशाचिनी और दिव्य दृष्टि जैसे सीरियल्स से छोटे पर्दे पर नाम कमाने वालीं नायरा बिग बॉस की सबसे डिमांडिंग कंटेस्टेंट्स में से एक हैं। 37 साल की नायरा बनर्जी ने कदांबरी शो से अपना करियर शुरू किया था। उन्हें अभिनय में लाने वाले थे डायरेक्टर जी वी अय्यर। वह नायरा को रामायण से प्रेरित एक फिल्म में सीता की भूमिका देने वाले थे, लेकिन फिल्म बनने से पहले ही डिब्बाबंद हो गई क्योंकि डायरेक्टर जी वी अय्यर का निधन हो गया था। नायरा ने तेलुगु से लेकर तमिल फिल्मों में काम किया। नायरा बनर्जी ने साल 2012 में बॉलीवुड में अपना करियर शुरू किया था। वह प्रियदर्शन की फिल्म कमाल धमाल मालामाल में नजर आई थीं। वह ग्रीन सिग्नल, टेंपर और आंबाला जैसी फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने इमरान हाशमी की फिल्म अजहर में भी असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया है। उन्हें पहचान टीवी शो दिव्य दृष्टि से मिली। आखिरी बार एक्ट्रेस को रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 13 में देखा गया था।

शादी के 7 महीने में ही Rekha के पति ने किया था सुसाइड, फिर भी क्यों मांग में भरती हैं सिंदूर वजह कर देगी हैरान

अभिनेत्री रेखा की कोई ना कोई रहस्यमयी कहानी सबको उनकी तरफ खींचती है। रेखा की जीवनी ह्यरेखा द अनटोल्ड स्टोरी के लेखक और पत्रकार यासिर उस्मान ने सदाबहार अभिनेत्री के बारे में कुछ गहरे राज खोले हैं। प्यार के लिए तरसीं रेखा ने क्यों बेबाकी से किनारा कर लिया और लाइमलाइट से दूर होकर अकेले जिंदगी बिताने लगीं जानिए इस बारे में। मुझे रेखा की जिंदगी और उनके फिल्मी करियर पर ह्यरेखा द अनटोल्ड स्टोरी किताब लिखने का मौका मिला। ये किताब कुछ साल पहले प्रकाशित हुई थी, लेकिन आज तक इससे जुड़े मेल और मैसेज मेरे पास आते रहते हैं। किताब लिखने की शुरूआत में रेखा के प्रशंसकों की तरह मैं भी उनके बारे में जानने के लिए उत्सुक था। मेरी दिलचस्पी एक सुपरस्टार के साथ रेखा की नजदीकियों के बजाय खुद रेखा के संघर्ष और उनकी जीत में थी। उस कहानी में, जहां एक 14 वर्ष की लड़की अपनी मां के साथ मद्रास (चेन्नई) से बंबई (मुंबई) आती है। आर्थिक संघर्ष से जूझ रहे परिवार को बचाने के लिए हिंदी फिल्मों में जबरदस्ती धकेली गई इस लड़की को हिंदी या उर्दू बोलनी तक नहीं आती थी। वो सालों तक अपने सांवले रंग-रूप और ज्यादा वजन पर भद्दे मजाक झेलती है, शोषण का शिकार होती है, बार-बार उसका दिल टूटता है, लेकिन वही लड़की 10 साल बाद अपनी प्रतिभा, स्टाइल और फिटनेस से बालीवुड के नियम बदलकर रख देती है। हिंदी-उर्दू न जानने वाली रेखा उमराव जान जैसी फिल्म में शानदार उर्दू बोलते हुए राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल करती है। ये थी वो कहानी जिसने मुझे किताब लिखने के लिए प्रेरित किया था। किताब की रिसर्च के समय एक अजीब सवाल सामने आया। 20वीं शताब्दी के सातवें-आठवें दशक की रेखा के साक्षात्कार देखें तो वो जबरदस्त बिंदास लड़की के रूप में सामने आती हैं। वो ध्यानाकर्षित करने वाली, उत्साही और इस हद तक स्पष्टवादी थीं, जो आज भी भारत में नहीं देखी जाती। फिल्मी पत्रिकाओं में रेखा के बयान सनसनीखेज हुआ करते थे- ह्यमैं सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं हूं, मैं एक ह्यबदनामह्न अभिनेत्री हूं जिसका अतीत खराब है ह्न ऐसे और भी बहुत बयान थे मगर खुलकर बोल्ड बयान देने वाली रेखा के साथ ऐसा क्या हुआ कि वो आज एकांतप्रिय रेखा बन गईं? ग्रेटा गार्बो जैसी छवि वाली, दुखद और अकेली। तब मेरे सामने आया कि एक हृदयविदारक घटना के बाद फिल्म उद्योग और मीडिया ने उन पर जो क्रूर हमले किए, उसका आघात उनके अंतर्मन पर हावी होता गया। 1990 के आसपास वो बड़ी घटना घटी, जिसने मूल रूप से रेखा को बदलकर रख दिया। दरअसल रेखा के पिता ने बचपन में उन्हें कबूल नहीं किया। पिता का प्यार नहीं मिला। फिर मुंबई में करियर के शुरूआती वर्षों में रेखा प्यार तलाशती रहीं। वो घर बसाना चाहती थीं।

भारतीय गेंदबाजों ने कसा शिकंजा, बांग्लादेश की आधी टीम लौटी पवेलियन

भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 सीरीज की आज से शुरूआत हुई। पहला टी20 ग्वालियर के न्यू माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है।

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। टेस्ट सीरीज के बाद अब भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 सीरीज का आगाज हो गया है।

सीरीज का पहला टी20 ग्वालियर के न्यू माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। भारत की ओर से मयंक यादव और नीतिश रेड्डी ने डेब्यू किया।

Zeenat Aman से मिलते ही बदल गई थी Mithun Chakrabortyकी 'तकदीर', बहुत मुश्किल से हटा था 'पनौती' का टैग

हिंदी सिनेमा के ऑरिजिनल डिस्को-डांसर मिथुन चक्रवर्ती ने अपने दर्शकों का मनोरंजन करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। साल 1976 में फिल्म मृगया से अपनी शुरूआत करने वाले दिग्गज अभिनेता ने पहली ही फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड जीता था लेकिन इसके बावजूद उनके साथ काम करने को कोई तैयार नहीं होता था। तभी उनकी जिंदगी में आईं जीनत अमान जिन्होंने उनकी तकदीर बदल दी।

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। मिथुन चक्रवर्ती (Mithun Chakraborty) को इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में चार दशक से ज्यादा का समय हो चुका है। आज भी उनकी फिल्मों को लोग बड़े चाव से देखते हैं। उन्होंने न सिर्फ अपने अभिनय, बल्कि अपने डांस से भी लोगों को काफी इम्प्रेस किया है। उनके स्टाइल को कॉपी करने की कई लोगों ने कोशिश की, लेकिन नहीं कर पाए।

उन्हें इंडस्ट्री का ऑरिजिनल 'डिस्को डांसर' कहा जाता। साल 1989 में अभिनेता की पूरे साल में 19 फिल्में रिलीज हुई थी और उनका नाम उस साल 'लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड' में भी दर्ज हुआ था। मिथुन दा की आम से सुपरस्टार बनने की ये कहानी काफी उतार-चढ़ाव भरी रही।

पहली फिल्म में ही नेशनल अवॉर्ड जीतने के बाद भी कोई एक्ट्रेस उनके साथ काम करने को तैयार नहीं होती थी। हालांकि, जैसे ही जीनत अमान उनकी जिंदगी में आई, उनकी किस्मत के सितारे चमकना शुरू हो गए। आज हम आपको अपने इस आर्टिकल में उस थ्रो-बैक किस्से के बारे में ही बताने जा रहे हैं।

'रंग' की वजह से लोग उड़ाते थे मजाक

मिथुन चक्रवर्ती ने अपने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि वह उस दौर में इंडस्ट्री में आए थे, जब पहले से ही अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र जैसे सितारे अपने करियर के पीक पर थे। ऐसे में उनके लिए इस इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाना बहुत ही कठिन था।

दरअसल, जब भी मिथुन किसी को ये बताते कि वह एक्टर बनने आए हैं, तो लोग उनके सांवले रंग को लेकर उनका मजाक उड़ाते थे। उन्हें कहते थे 'तू हीरो बनेगा...बताओ ये हीरो बनने चला है'। इन तानो के बाद भी मिथुन ने कभी अपना हौसला टूटने नहीं दिया और वह लगातार संघर्ष करते रहे।

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता को उनकी पहली फिल्म साल 1976 में मिली थी, जिसका टाइटल था 'मृगया'। इस फिल्म के लिए एक्टर को एक नहीं, बल्कि दो अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। बेस्ट एक्टर कैटेगरी में उन्होंने नेशनल अवॉर्ड के साथ-साथ बीएफजेए ((BFJA)) अवॉर्ड भी जीता। इस फिल्म के बाद उन्हें लगा कि उनकी किस्मत के दरवाजे खुल जाएंगे और उन्हें खूब काम मिलेगा।कोई भी एक्ट्रेस मेरे साथ काम नहीं करना चाहती थी, क्योंकि मैं नया था। मुझे लगता था कि मैं कभी भी बी ग्रेड एक्टर से ए ग्रेड एक्टर नहीं बन पाऊंगा। कई एक्ट्रेसेज को तो बड़े-बड़े हीरो भी ये धमकी देते थे कि अगर उन्होंने मेरे साथ काम किया, तो वह उनके साथ फिल्में करना बंद कर देंगे। मिथुन चक्रवर्ती ने इसी मंच पर जीनत अमान की भी काफी तारीफ की थी। उन्होंने कहा जब हर कोई उन्हें दुत्कार रहा था, उस समय जीनत अमान अकेली ऐसी एक्ट्रेस थीं, जिन्होंने उन्हें गुड लुकिंग बताते हुए, उनके साथ काम करने को लेकर हामी भरी थी। दोनों ने साल 1983 में फिल्म 'तकदीर' में काम किया था, जिसमें शत्रुघ्न सिन्हा भी मुख्य भूमिका में थे।

महाकुंभ-2025 के मद्देनजर सीएम योगी ने की समीक्षा बैठक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रयागराज महाकुंभ से जुड़ी तैयारियों के लिए मुख्यमंत्री की डेडलाइन,10 दिसंबर तक पूरे हो जाएं सारे काम दिसंबर के पहले सप्ताह तक तैयार कर लें स्टील ब्रिज, कानपुर, लखनऊ, बाराबंकी और अयोध्या से प्रयागराज आगमन सुलभ हो । विश्व को सनातन भारतीय संस्कृति से साक्षात्कार कराने का सुअवसर है।महाकुंभ,स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा का मानक होगा महाकुंभ 2025-उट बेहतरीन यातायात प्रबंधन पर मुख्यमंत्री का जोर, कहा आगंतुक हों या स्थानीय, जाम की समस्या न हो आम,विशेष स्नान पर्वों पर कोई वीआईपी मूवमेंट नहीं-उट एयरपोर्ट से मेला क्षेत्र तक बनेगा वीवीआइपी कॉरिडोर,मेला क्षेत्र में तीन पुलिस लाइन, तीन महिला थाना और 10 पुलिस चौकियां होंगी स्थापित हर श्रद्धालु की आस्था का सम्मान करें।अच्छा व्यवहार करें,क्राउड मैनेजमेंट, फायर सर्विस, हेल्प डेस्क, पार्किंग, सीसीटीवी पर मुख्यमंत्री का जोर, एंटी ड्रोन सिस्टम भी लगेगा। एआई टूल से तैयार किया जाए सिक्योरिटी मॉडल,कल्पवासी हो। स्नानार्थी हो या पर्यटक, सबकी सुरक्षा-सुविधा का रखें ध्यान, पुलिस का व्यवहार हो सहयोगात्मक-सीएम अखाड़ों, आचार्यों, संतों से लेते रहें मार्गदर्शन, उनकी अपेक्षाओं का रखें पूरा ध्यान, प्रयागराज में होम स्टे की संभावना को प्रोत्साहित करें।स्थानीय लोगों को होगी अतिरिक्त आय-सीएम वर्ष 2019 में कुंभ का सफल आयोजन कर यूपी ने मानक स्थापित किया, इस बार लोगों की अपेक्षाएं हमसे और अधिक-सीएम 2019 में 3200 हेक्टेयर में फैला था मेलाक्षेत्र, इस बार 4000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में होगा विस्तार 7000 से अधिक बसें, डेढ़ लाख से अधिक शौचालय स्थापित होंगे।10 हजार कर्मचारी करेंगे सफाई सुरक्षा के लिए नए जीआरपी थानों की है आवश्यकता, बढ़ानी होगी चौकसी, रेलवे-यूपी पुलिस के बीच हो बेहतर समन्वय-उट सुरक्षा की दृष्टि से करें किराएदारों और रेस्टोरेंट कर्मियों और ई-रिक्शा चालकों के वेरिफिकेशन प्रयागराज में सनातन भावनाओं का सम्मान, महाकुंभ में नहीं होगी मांस-मदिरा की बिक्री-उट संत समाज से बोले मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश में गोहत्या अपराध, गोवंश संरक्षण के लिए आगे आये संत समाज सनातन परंपरा के सम्मान के लिए समर्पित है।

तीन दिन पूर्व लापता युवती का पोखरे में मिला शव

मेंहनगर। थाना क्षेत्र के करनेहुवां ग्राम सभा के पास स्थित पोखरे में शनिवार को युवती का शव मिला। पुलिस ने पहचान कराते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। खजुरा बिछिया निवासी महेंद्र यादव की 22 वर्षीय पुत्री 2 अक्तूबर की रात 2-3 बजे घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने बेटी को गायब पाकर संभावित ठिकानों पर तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। अनहोनी की आशंका के चलते महेंद्र यादव ने स्थानीय थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई और पुलिस से मदद की गुहार लगाई। शनिवार को करनेहुवां गांव से खजुरा को जाने वाली सड़क के किनारे स्थित पोखरी में पशु चरा रहे चरवाहों ने शव देखा और शोर मचाया। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।

कायस्थ कल्याण समिति द्वारा वार्षिक सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

-अभिताश गुप्ता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कायस्थ कल्याण समिति, जौनपुर द्वारा हर साल की तरह इस वर्ष भी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन जनक कुमारी इंटर कॉलेज और एम. जे. ए. एच. उलूम विद्यालय में धूमधाम से किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों के बौद्धिक विकास और सामान्य ज्ञान के स्तर को सुदृढ़ करना था। यह प्रतियोगिता दो ग्रुप्स में आयोजित की गई।जिसमें ग्रुप ए (कक्षा 6 से 8) और ग्रुप बी (कक्षा 9 से 12) के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस बार प्रतियोगिता में कुल 758 बच्चों ने भागीदारी की। प्रतियोगिता का आयोजन दो पाली में किया गया। और इस अवसर पर कायस्थ कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉक्टर रवि प्रकाश श्रीवास्तव महासचिव विपनेष श्रीवास्तव और परीक्षा संयोजक आलोक रंजन सिन्हा ने संयुक्त बयान जारी करते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता पिछले 30 वर्षों से निरंतर आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। इसके अलावा, सांत्वना पुरस्कार समिति के वार्षिक कार्यक्रम, श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव के दौरान प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों और उनके संबंधित विद्यालयों को जल्द ही सूचित किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण अवसर पर समिति के अन्य प्रमुख सदस्य भी उपस्थित रहे, जिनमें संस्थापक सदस्य आर.डी. श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार अस्थाना, सुनील कुमार अस्थाना, संरक्षक प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, डी.ओ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव (पप्पूजी), डॉक्टर अशोक कुमार अस्थाना, दयाल सरन श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष ज्ञान चंद्र श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, सचिव गणतंत्र श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव अमित खरे, आयव्यय निरीक्षक अमित अस्थाना, युवा अध्यक्ष विनीत श्रीवास्तव, संगठन सचिव राजेश किशोर श्रीवास्तव, ऋषि श्रीवास्तव, आगामी पूजनोत्सव कार्यक्रम के संयोजक भालेंद्र श्रीवास्तव, और कार्यकारिणी सदस्य गिरवर अस्थाना, अजय कुमार श्रीवास्तव, जय प्रकाश श्रीवास्तव,अनूप कुमार सिन्हा, विजय कुमार श्रीवास्तव और विद्यालयों के शिक्षकगण शामिल थे। समिति के अध्यक्ष डॉक्टर रवि प्रकाश श्रीवास्तव ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए विशेष रूप से जनक कुमारी इंटर कॉलेज के प्रबंधक संतोष कुमार श्रीवास्तव और प्रधानाचार्य जंग बहादुर सिंह का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में अपना योगदान देने वाले संबंधित विद्यालयों के शिक्षकों को भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

वैज्ञानिक शोध के साथ-साथ तकनीकी दक्षता भी जरूरी: मिर्जा मुदस्सिर

पीयू में नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग पर वेबिनार का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में 'नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग एनजीएस' पर एक विशेष वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सऊदी अरब के रियाद स्थित नाइफ अरब यूनिवर्सिटी ऑफ सिक्योरिटी साइंसेज के जूनियर फोरेंसिक वैज्ञानिक मिर्जा मुदस्सिर हुसैन ने नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग के प्रकारों और इसके स्वास्थ्य सेवा। फोरेंसिक विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ-साथ तकनीकी दक्षता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रतिभागियों को एनजीएस की नवीनतम तकनीकों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने छात्रों को यह सलाह दी कि वे कुछ तकनीकी कौशल भी अवश्य सीखें,जैसे कोडिंग भाषाएं, डेटा प्रबंधन और विश्लेषण के तरीके, जो कि इस क्षेत्र में सफल होने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वेबिनार के संयोजक एवं सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने की व मिर्जा मुदस्सिर हुसैन का आभार भी प्रकट किया। वेबिनार के संचालन की जिम्मेदारी रुद्रांश चतुर्वेदी ने निभाई। जिन्होंने अपनी सशक्त एंकरिंग से पूरे कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न किया। यह वेबिनार छात्रों और शिक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ। जिसमें उन्होंने NGS तकनीक के विभिन्न पहलुओं को समझने के साथ ही अपने करियर के लिए नए विचार और दृष्टिकोण प्राप्त किए।

दारोगा खुद हो गए साइबर ठगी का शिकार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद के रामपुर थाना पर तैनात एक दारोगा के खाते से दो लाख 73 हजार 582 रुपये साइबर ठगी का मामला प्रकाश में आया है। उन्होंने खुद लाखों रुपये की ठगी का थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। थाने पर तैनात सब इंस्पेक्टर (दरोगा) इंद्रदेव सिंह ने थाने में दी तहरीर में कहा कि 29 सितंबर को साइबर ठग का उनके मोबाइल पर फोन आया। उन्होंने फोन पर हेलो-हेलो कहा आप कौन बोल रहे हैं परंतु कोई जवाब नहीं आया और मोबाइल बंद हो गया। कुछ देर बाद भी फोन नहीं चालू हुआ तो उसे मोबाइल की दुकान पर दिखाया। दुकानदार ने बताया कि सिम खराब हो गया है। रविवार होने की वजह से सिम चालू नहीं हो सका। सोमवार को पुनः इस नंबर पर सिम चालू हुआ तो मोबाइल पर खातों से पैसा निकलने का मैसेज आने लगा। देखते ही देखते चार अलग-अलग खातों से कुल 2 लाख 73 हजार 582 रुपये निकल चुके थे। चारों खातों में वही मोबाइल नंबर बैंक में दर्ज था। थानाध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि घटना हुई है। मुकदमा दर्जकर जांच के लिए भेजा गया है।

पड़ोसी की छोटी सी लापरवाही के कारण वृद्ध ने गंवाई जान

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी चोलापुर थाना क्षेत्र के निदौरा उदयपुर गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। जिसमें 62 वर्षीय पोल्हावन पटेल की खेत में बिछाए गए करंट युक्त तार की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना तब घटी जब पोल्हावन पटेल अपने खेत के पास से गुजर रहे थे और अनजाने में बिजली के तारों से संपर्क में आ गए। जिससे मौके पर ही उनकी जान चली गई। मृतक के बेटे दीप नारायण पटेल ने पड़ोसी किसान संजय पटेल (पुत्र जगन्नाथ पटेल) पर आरोप लगाते हुए। बताया कि संजय ने अपने खेत में जानवरों को रोकने के लिए करंट से भरे तार लगाए थे। दीप नारायण का दावा है कि उन्होंने संजय को कई बार इस खतरनाक तार को हटाने की चेतावनी दी थी। लेकिन संजय ने इसे अनसुना कर दिया, जिसके चलते यह हादसा हुआ। घटना के बाद दीप नारायण ने स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह जानने की कोशिश कर रही है कि बिजली का तार कैसे और किस उद्देश्य से लगाया गया था और क्या इसमें किसी प्रकार की लापरवाही हुई थी।

पत्रकार बरसाती लाल कश्यप के इलाज में मदद करेगे पूर्व संसद धनंजय सिंह व वानर सेना के अजीत प्रताप

गले में पाँच किलो का ट्यूमर एक कुनबे की ज़िंदगी पर पड़ रहा है भारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के मडियाहूं तहसील अंतर्गत अड़ीयार गाँव निवासी बरसाती लाल कश्यप पेशे से पत्रकार हैं। कई वर्षों से इनके गले में ट्यूमर है।जो वर्तमान में करीब 5 किलो का हो गया है। दो बच्चों और पत्नी के साथ जीवन यापन कर रहे बरसाती लाल कश्यप जीवन से हार कर सोशल मीडिया में निराशाजनक पोस्ट लिखा। इस पोस्ट के वायरल होते ही पूर्व सांसद धनंजय सिंह और वानर सेना के संरक्षक अजीत सिंह पत्रकार की मदद में कूद पड़े। अजीत सिंह के बरसाती लाल की मदद के लिए फेसबुक पर पोस्ट लिखते ही कुछ ही घंटे में पीड़ित पत्रकार के खाते में 20 हजार से अधिक रकम आ गई। ईलाज का जिम्मा पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने उठा लिया । दो दिन बाद बरसाती लाल के ट्यूमर की जांच और आपरेशन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। कहने को जिले के मडियाहूं तहसील के अड़ीयार गाँव निवासी बरसाती लाल कश्यप पेशे से पत्रकार हैं। लेकिन दो बच्चों व पत्नी वाले इनके कुनबे के सिर पर अव्यवस्थित छत के अलावा कुछ नहीं है। खेती की जमीन होती तो भी परिवार पल जाता।अब गले में पाँच किलो वजन का ट्यूमर परिवार के पेट की आग बुझाने और तन ढंकने की कोशिश पर भारी पड़ने लगा है। जब रोटी के लाले पड़े हैं तो दवा कहाँ से लाएं। 'आरएनएस' न्यूज एजेंसी जरिये मिलने वाली रकम पर सम्मान भारी पड़ता रहा है।क्योंकि दवा और रोटी-कपड़ा के लिए सम्मान नहीं, रुपये चाहिए। घिसट रही पूरे कुनबे की जिंदगी पर इनके गले का ट्यूमर वज्रपात बनकर आया है' डॉक्टर बताते हैं ऑपरेशन में खर्च लाखों आएगा ऐसे में इनके सामने कुनबे समेत ज़िंदगी से हार मानने के अलावा कोई चारा नजर नहीं आया। तभी इस परिवार की बिखरती ज़िंदगी को संबल देने के लिए 'वानर सेना' और पूर्व सांसद धनंज्य सिंह के आगे आने से कुनबे में जीने की लालसा का 'दीपक' फिर टिमटिमाने लगा है। सहयोग करने वालों का कारवाँ बढ़ने लगा है। अब इनकी परेशानियों को दूर करने में सहयोग का घड़ा बूंद-बूंद के सहयोग से भरने लगा है। आप भी ज़िंदगी से हारे इस कुनबे को जीवन बचाने में सहयोग के भागी बन सकते हैं।

महासमिति के नये सदस्यों को मेडल देकर किया सम्मानित

श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति की बैठक में बनायी गयी अगली रणनीति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति द्वारा रविवार को आयोजित एक समारोह में महासमिति के नये सदस्यों की सदस्यता ग्रहण कराने के साथ सम्मान समारोह भी किया गया। नगर के टीडीपीजी कालेज के पीछे वाजिदपुर उत्तरी में संरक्षक डा. राम नारायण सिंह के आवास पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता अध्यक्ष लाल बहादुर यादव नैपाली एवं संचालन महासचिव कृष्ण कुमार जायसवाल ने किया। इस मौके पर सर्वप्रथम मां लक्ष्मी, मां सरस्वती एवं भगवान गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया जिसके बाद संरक्षक विजय सिंह, संरक्षक रामजी जायसवाल, विशिष्ट सदस्य चन्द्रशेखर निषाद बबलू, जिला विपणन अधिकारी अनिल साहू सहित अन्य वक्ताओं ने अपना विचार व्यक्त किया। तत्पश्चात महासमिति से जुड़ने वाले नये सदस्य नीरज शाह, दिलीप जायसवाल, सूर्य प्रकाश विश्वकर्मा, पंकज जायसवाल, कृष्ण कुमार यादव, अभिजित जायसवाल, संकल्प गुप्ता, अभि श्रीवास्तव, रोहन जायसवाल को संरक्षक मण्डल द्वारा माल्यार्पण करते हुये मेडल पहनाया गया। साथ ही उपस्थित सभी लोगों ने नवागत सदस्यों का करतल ध्वनि से स्वागत किया। इस मौके पर आये लोगों का स्वागत संस्थापक स्व.सुशील वर्मा एडवोकेट के पुत्र वैभव ने किया। इस अवसर पर अतुल जायसवाल,दीपक कुमार, कृष्णकान्त विश्वकर्मा, डा.हर्षित गुप्ता, डा.आशुतोष सिंह, राकेश वर्मा, संतोष यादव, शिवा गुप्ता सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। अन्त में राहुल सिंह ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुलिस ने सुलझाया पति पत्नी का विवाद, हो रही सराहना

जफराबाद जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के दुल्हेपुर गांव निवासी पति पत्नी का विवाद पुलिस ने रविवार को सुलझवाया। पुलिस के काफी प्रयास ने एक वर्ष बाद फिर से एक कर दिया है। ऊक्त गांव निवासी अनिल कुमार पुत्र वीरेन्द्र प्रताप की शादी वर्ष 2020 में लाइनबाजार के कन्हईपुर गांव निवासी संजना कुमारी पुत्री राजनाथ के साथ हुई थी। 2021 में संजना को एक पुत्री पैदा हुई। उसके बाद अनिल का व्यवहार बदल गया। वह संजना के साथ मारपीट करने लगा। जिसके चलते संजना मायके चली गयी। दो दिन पूर्व उसका अनिल से मोबाइल पर फिर विवाद हुआ। संजना ने अनिल के खिलाफ पुलिस को तहरीर दिया। पुलिस ने दोनो पक्षों को थाने बुलवाया।जहा पर एस आई धनुषधारी पाण्डेय, राजेश सिंह सेंगर ने दोनो पक्षों का बैठाकर गम्भीरतापूर्वक समझाया बुझाया। जिसके बाद दोनों पक्षों में सुलह समझौता हो गया। उसके बाद दोनों पक्षों ने लिखापढ़ी किया।

कीमती भैंस की चोरी से क्षेत्र में भय का माहौल

धर्मेन्द्र कुमार शर्मा

बदलापुर जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर गांव में शनिवार की बीती रात्रि में पिकअप सवार पशु तस्करों ने एक कीमती भैंस लादकर फरार हो गए। वही इस घटना से पशु पालकों में भय व्याप्त है। जानकारी के मुताबिक उक्त गांव निवासी सभाराज यादव के मवेशी घर के सामने रोज की भांति बंधे थे। परिवार के लोग भोजन करने के बाद सो गए। रात दो बजे के करीब पिकअप सवार पशु तस्कर एक कीमती भैंस खोलकर पिकअप पर लादकर ले जाने लगे।तो परिजन जाग गये और शोर मचाने पर पशु तस्कर भाग गये। पीड़ित की सूचना पर रात में पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गयी है।

जौनपुर लायंस सेवा सप्ताह 5वाँ दिन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शनिवार को लायंस क्लब जौनपुर सूरज द्वारा प्रधानमंत्री जी के स्वच्छ भारत अभियान को चरितार्थ करते हुए रासमंडल स्थित छोटा काशी पर स्वयं साफ सफाई करके समाज में जागरूकता उत्पन्न

किया गया। उक्त अवसर पर अध्यक्ष लायंस विकास साहू ने कहा कि स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ समाज बनाता है। अपने आस पास स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक लायंस संतोष साहू ने कहा कि प्रत्येक सप्ताह रविवार को विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे ही साफ सफाई करते हुए समाज में जागरूकता पैदा करना चाहिए। सेवा सप्ताह चेयरपर्सन एमजेएफ लायंस संतोष साहू बच्चा ने आए हुए सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया एवं मंदिर पर प्रसाद वितरण सभी लायंस को किया। उक्त अवसर पर एमजेएफ लायंस त्रिपुंड भास्कर, दशरथ मौर्य, संतोष मौर्य, सतीश मौर्य, ललित कुशवाहा, अमित चौरसिया, सरदार मनमोहन सिंह, राजेंद्र खत्री आदि उपस्थित रहें।

चेयरमैन प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल गोलू ने पुष्पगुच्छ देकर जिलाधिकारी से की मुलाकात

केराकत जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट सभागार में स्थानीय निकाय की बैठक जिलाधिकारी दिनेश चंद्र सिंह की अध्यक्षता में की गयी। इस दौरान बैठक में नगर पंचायत केराकत के चेयरमैन पति प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक सम्पन्न होने के बाद जौनपुर के जिलाधिकारी दिनेश चंद्र सिंह से नगर पंचायत केराकत के आपका अपना जनसेवक एवं युवा नेता कृष्णा जायसवाल उर्फ गोलू नें मुलाकात कर पुष्पगुच्छ देकर भेंट किया। और युवा नेता गोलू नें केराकत नगर के विकास से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा किया गया। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत वार्षिक एक्शन प्लान और पंचवर्षीय विजन प्लान की स्वीकृति के संदर्भ में बैठक लेते हुए नगर पंचायतों तथा नगर पालिका में शौचालय निर्माण पानी टैंकर रैन बसेरा ओपन जिम मल्टीस्पोर्ट्स फैमिलीटी प्रकाश व्यवस्था डिजिटल लाइब्रेरी जल निकासी नाली निर्माण आदि से संबंधित कार्य योजनाओं के संदर्भ में जानकारी लेते हुए जनहित से जुड़े प्रस्तावों को प्राथमिकता देते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य करानें के निर्देश दिये गये। बैठक में सभी नगर पंचायतों एवं नगर पालिका के जन प्रतिनिधिगण एवं जिम्मेदार लोग उपस्थित रहे।

नमाज और मानस की चौपाई एक साथ

लाटभैरव की राम लीला बनी गंगा-जमुनी तहजीब की अनूठी मिसाल

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। लाटभैरव की रामलीला में गजब का नजारा देखने को मिला। मंदिर में फर्श पर एक तरफ नमाज की अजान में अल्लाह हू अकबर की गूंज रही तो दूसरी ओर मंजीरे की खनक के बीच मानस का दोहा पढ़ा गया। शनिवार की शाम को लाटभैरव की रामलीला में नजर आया।

लाटभैरव मंदिर की फर्श पर एक तरफ मगरिब की नमाज की अजान में अल्लाह हू अकबर की गूंज रही तो दूसरी ओर ढोलक की थाप और मंजीरे की खनक के बीच मानस का दोहा मंगल भवन अमंगल हारी मुखर हो रहा था। नमाजी अपने क्रियाकलाप में व्यस्त तो रामलीला के पात्र अपनी भूमिका निभाने में तल्लीन रहे। शनिवार की शाम को श्री आदि लाटभैरव की रामलीला में 481 साल की परंपरा और भारत की विविधता में एकता का संदेश भी मुखर हुआ। तुलसी के दौर से चली आ रही बनारस की गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल रामलीला का मंचन लाटभैरव मंदिर-मस्जिद के बीच के विशाल फर्श पर हुआ। मगरिब की नमाज और जयंत नेत्रभंग लीला का मंचन दोनों साथ-साथ हुआ। शाम को 4:45 बजे रामलीला आरंभ हुई। चबूतरे के पूर्वी हिस्से में श्रीराम चरित मानस का दोहा सीता चरन चोंच हति भागा, मूढ़ मंदमति कारन कागा मुखर हो रहा था। वहीं दूसरी ओर ठीक पांच बजे चबूतरे के पश्चिमी हिस्से में पांचों वक्त के नमाजी अल्लाह को याद कर रहे थे। श्रीआदि लाट भैरव रामलीला के व्यास दयाशंकर त्रिपाठी जयंत को उसके संवाद बता रहे थे।तो उधर इमाम हाफिज शाबान अली नमाज का क्रम आगे बढ़ा रहे थे। नमाज से पहले शुरू हुई रामलीला नमाज के बाद भी गतिमान रही। नमाज से पहले और बाद में मुस्लिम बंधुओं ने भी लीला दर्शक के रूप में शामिल हुए। गोस्वामी तुलसी दास और उनके परम मित्र मेघा भगत द्वारा शुरू की गई यह लीला के जयंत नेत्रभंग का प्रसंग इसी स्थान पर मस्जिद निर्माण के पहले से होती आ रही है। इंद्रपुत्र को गंवानी पड़ी एक आंख लाटभैरव की रामलीला में शनिवार को प्रसंग आरंभ में देवराज इंद्र का पुत्र जयंत कौआ बनकर माता सीता के चरण में चोंच मारकर भागा। यह देख श्रीराम ने सींक के बाण का संधान किया। बचने को जयंत सभी देवों के पास गया। लेकिन रामद्रोही होने से किसी ने रक्षा नहीं की। अंततः नारद मुनि की सलाह पर वह श्रीराम के चरणों में जाकर गिर पड़ा। प्रभु ने बाण के प्रभाव को कम किया और जयंत की एक आंख फोड़ दी।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में सिखाई गई स्काउट की बारीकियां

शाहगंज जौनपुर(उत्तरशक्ति)। योगी नाथ तिराहा स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दूसरे दिन बालिकाओं को स्काउट की बारीकियां से अवगत कराया गया। जिसका शुभारंभ वार्डन एकता नीलम ने मां शारदे को याद करते हुए शुभारंभ किया। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय शाहगंज में तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का आयोजन चल रहा है। शिविर के दूसरे दिन बालिकाओं को स्काउट की बारीकियां से अवगत कराया गया। शिविर में सभी बालिकाओं द्वारा उत्साह से भाग लिया गया। शिविर के शुभारंभ में वार्डन एकता नीलम ने कहा कि स्काउट जीवन जीने की विषम परिस्थितियों में कला सिखाता है। विद्यालय की स्काउट गाइड प्रशिक्षिका किरण मौर्य ने स्काउट गाइड प्रतिज्ञा तथा सामान्य आधारभूत स्काउट गाइड नियमों की जानकारी दी। विद्यालय की सभी बालिकाओं को अलग-अलग ग्रुप मोर सूर्य पौधा आदि ग्रुप में विभाजित किया गया था। जिसके अनुसार पुनः विभिन्न टोलियों का निर्माण का किया गया। उक्त शिविर में मुख्य अतिथि एवं स्काउट प्रशिक्षक शिव कुमार प्रजापति ने बालिकाओं को विभिन्न प्रकार की गांठे लगाना स्काउट गाइड तालियां प्राथमिक चिकित्सा की पूर्ण जानकारी दी। उक्त अवसर पर दीपक सिंह, खेल अध्यापिका अल्पना सिंह सहित समस्त शिक्षिका मौजूद रही।

अन्तर्जनपदीय अभियुक्त चोरी की दो मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस टीम द्वारा 01 अन्तर्जनपदीय अभियुक्त को चोरी के 02 मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। -पुलिस अधीक्षक जौनपुर डा0 अजय पाल शर्मा द्वारा अपराध की रोकथाम एंव आपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण थाना कोतवाली जौनपुर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर राजा साहब के पोखरे के पास से थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 352/2024 धारा 303(2) बीएनएस व मु0अ0सं0 374/2024 धारा 303(2)बीएनएस मे चोरी गयी मो0सा0 के साथ अभियुक्त भानु सोनकर पुत्र लालबादुर सोनकर नि0 पालिटेक्निक चौराहा थाना कोतवाली जौनपुर गिरफ्तार किया गया। बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त मे धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी की गयी। अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया तथा विधिक कार्यवाही कर मा0 न्या0 के समक्ष पेश किया जा रहा है। घटना का संक्षिप्त विवरण दिनांक 23.08.2024 को वादी संकठा प्रसाद पुत्र स्व0 शिवनायक नि0 खम्हौरा थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर के वाहन उपरोक्त को अभियुक्त द्वारा भण्डारी रेलवे स्टेशन के पास से वाहन सं0 यू0 पी0 62 एएन 1276 को चोरी किया गया था तथा दिनांक 09.09.2024 को वादी अमरनाथ सोनी पुत्र श्रीराम सोनी नि0 धनियामऊ थाना बक्शा जौनपुर का वाहन सं0 यू0 पी0 62 एफ 7832 को अभियुक्त के द्वारा बदलापुर पडाव के पास से चोरी किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त- भानु सोनकर पुत्र लालबादुर सोनकर नि0 पालिटेक्निक चौराहा थाना कोतवाली जौनपुर उम्र करीब 24 वर्ष। आपराधिक इतिहास- मु0 अ-0सं0 352/2024 धारा 303(2)बीएनएस थाना कोतवाली जौनपुर। 2. मु0 अ0सं0 374/2024 धारा 303(2) बीएनएस थाना कोतवाली जौनपुर।

सेवा को भेदभाव की दृष्टि से न देखकर निष्काम भाव से करें: सुदीक्षा जी महाराज

77वें समागम की सेवाओं का विधिवत शुभारंभ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। इस संसार में अनेक प्रकार के लोग रहते हैं जिनकी अलग-अलग भाषा, वेश-भूषा, खान-पान, जाति, धर्म और संस्कृति आदि हैं, पर इतनी विभिन्नताओं के रहते भी हम सब में एक बात सामान्य है कि हम सब इंसान हैं। कैसा भी हमारा रंग हो, वेश हो, देश हो या खान-पान, सबकी रगों में एक सा रक्त बहता है और सब एक जैसी सांस लेते हैं। हम सब परमात्मा की संतान हैं। इसी भाव को अनेक संतों ने अलग-अलग समय और स्थानों पर अपनी भाषा और शैली में 'समस्त संसार, एक परिवार' के सन्देश के रूप में व्यक्त किया। पिछले लगभग 95 वर्षों से संत निरंकारी मिशन भी इसी सन्देश को न केवल प्रेषित कर रहा है। बल्कि अनेक सत्संग और समागम का नियमित रूप से आयोजित कर,इस सन्देश का जीवंत उदाहरण भी पेश कर रहा है। मिशन के लाखों भक्त इस वर्ष भी 16, 17 और 18 नवंबर 2024 को संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा, हरियाणा में होने वाले 77वें वार्षिक निरंकारी संत समागम में पहुँचकर मानवता के महाकुम्भ का एक बार फिर से नजारा सजाने जा रहे हैं। देश-विदेश से आने वाले ये भक्त जहाँ सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और सत्कारयोग निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन दर्शन करके स्वयं को कृतार्थ अनुभव करेंगे। वहीं मिलजुलकर संत-समागम की शिक्षाओं से अपने मन को उज्जवल बनाने का प्रयास भी करेंगे।

यह जानकारी स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल ने देते हुए आगे बताया कि इस संत समागम की भूमि को समागम के लिए तैयार करने की सेवा का शुभारम्भ आज इस बार 6 अक्टूबर को हर वर्ष की भांति सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राजपिता जी के कर-कमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मिशन की कार्यकारिणी के सभी सदस्य, केंद्रीय सेवादल के अधिकारी और सत्संग के अन्य हजारों अनुयायी मौजूद रहे। जिसमें जनपद जौनपुर से भी सेवादल के महात्मा क्षेत्रीय संचालक मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि 600 एकड़ में फैले इस विशाल समागम स्थल पर लाखों संतों के रहने, खाने-पीने, स्वास्थ्य और आने-जाने के साथ-साथ अन्य कई प्रकार की व्यवस्थाएं की जाती है। जिसके लिए पूरा महीना अनेक स्थानों से आकर भक्त निष्काम भाव से सेवारत रहते हैं। इस पावन संत समागम में हर वर्ग के संत एवं सेवादार महात्मा अपने प्रियजनों संग सम्मिलित होकर एकत्व के इस दिव्य रूप का आनंद प्राप्त करेंगे। इस वर्ष के समागम का विषय है -विस्तार, असीम की ओर।

समागम सेवा के शुभ अवसर पर विशाल सत्संग को संबोधित करते हुए सतगुरु माता जी ने फरमाया कि सेवा करते समय सेवा को भेदभाव की दृष्टि से नहीं देखना चाहिए अपितु सदैव निरिच्छत, निष्काम भाव से ही की जानी चाहिए। सेवा तभी वरदान साबित होती है जब उसमें कोई किंतु, परंतु नहीं होता, उसकी कोई समय सीमा नहीं होनी चाहिए कि समागम के दौरान तथा समागम के समाप्त होने तक ही सेवा करनी है, बल्कि अगले समागम तक भी सेवा का यही जज्बा बरकरार रहना चाहिए। यह तो निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। सेवा सदैव सेवा भाव से युक्त होकर ही करनी चाहिए फिर चाहे हम शारीरिक रूप से अक्षम हो या असमर्थ हो सेवा परवान होती है क्योंकि वह सेवा भावना से युक्त होती है।

निरंकारी संत समागम, जिसकी प्रतीक्षा हर भक्त वर्ष भर करते हैं एक ऐसा दिव्य उत्सव है जहाँ मानवता, असीम प्रेम, असीम करुणा, असीम विश्वास और तर्ज असीम समर्पण के भाव को असीम परमात्मा के ज्ञान का आधार देते हुए सुशोभित करती है। मानवता के इस उत्सव में हर धर्म-प्रेमी का स्वागत है।

महिला का बाइक सवार दो बदमाशों ने सोने की चेन छीनकर हुए नौ दो ग्यारह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के बनरहिया बाग के पास बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने अपने भाई के साथ बाइक से जा रही महिला का दिनदहाड़े चेन लूट लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जमीन पकड़ी गांव निवासी शिव कुमार यादव रविवार को अपनी बहन प्रमिला को अपनी बाइक से लेकर आजमगढ़ जनपद किसी कार्य से जा रहा था। दोपहर के लगभग 1 बजे जैसे ही शिव कुमार बाइक से गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के बनरहिया बाग के पास पहुचा तभी पीछे से एक बाइक से आए तो अज्ञात बदमाशों ने शिव कुमार की बाइक में पैर से धक्का मार दिया तथा उसकी बहन प्रमिला के गले से सोने की चेन छीन कर दोनों बदमाश आजमगढ़ की तरफ फरार हो गए। पीड़ित शिव कुमार यादव ने घटना की सूचना थाने पर कॉल कर के दिया। जिस पर घटना की जानकारी होते ही थानाध्यक्ष राजाराम द्विवेदी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। थानाध्यक्ष ने आसपास की दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालने में जुटे रहे।